सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" जिन्होंने आपका संघर्ष देखा है, सिर्फवही आपके कामयाबी की कीमत जानते है अन्यथा औरों के लिए, आपकी किस्मत बहुत अच्छी है..!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–197 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 05 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

1.13 करोड़ की Wash&Wash ठगी का भंडाफोड़

नागपुर से 2 महिला अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार, देशभर में फैला है नेटवर्क

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने निवेश के नाम पर 1 करोड़ 13 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। मामले में पुलिस ने 2 महिला आरोपियों को नागपुर महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। ये दोनों महिलाएं ब्लैक मनी स्कैम यानी Wash&Wash के जरिए लोगों को ठगती थीं।

पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर श्री स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त मध्य जोन तारकेश्वर पटेल के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कारवाई की।

कंपनी को निवेश दिलाने के नाम पर ठगी

प्रार्थी उमेश कुमार सिन्हा निवासी बालोद, सालिक ग्रीन रिन्यूएबल एनर्जी प्रा. लि. के डायरेक्टर हैं। कंपनी के विस्तार के लिए 45 करोड़ के निवेश की जरूरत थी। इसी दौरान राकेश कौशिक के माध्यम से उनकी मुलाकात दीपक सिंह, अभिषेक सिंह, योगी और अन्य लोगों से हुई। आरोपियों ने खुद को प्रभावशाली और विदेशी निवेशकों से जुड़ा बताकर फंड दिलाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद बड़े अधिकारियों से बैठक, फाइल प्रोसेसिंग, सुरक्षा स्वीकृति, विदेशी परीक्षण और "हाई–पावर केमिकल" के नाम पर प्रार्थी को चेन्नई और नागपुर बुलाया गया। वहां नकली केमिकल से काले नोटों को असली नोट बनाने का

झूठा प्रदर्शन कर उसे विश्वास में लिया गया।

इसके बाद विदेशी केमिकल, अधिकारियों की अनुमति और फंड रिलीज के नाम पर अलग–अलग किश्तों में कुल 1.13 करोड़ रुपये ठग लिए गए। प्रार्थी की शिकायत पर थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 330/26 धारा 318(4), 61(2) इठर दर्ज किया गया।

नागपुर से पकड़ी गईं दोनों महिलाएं

मोबाइल नंबर, बैंक खातों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने *कनिज फातमा उर्फ भावना पांडेय* उम्र 24 वर्ष निवासी कोलकाता और *दीपिका पालीवाल* उम्र 24 वर्ष निवासी उदयपुर राजस्थान को नागपुर से गिरफ्तार किया।

पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे करीब 15 वर्षों से इसी तरह की ठगी कर रही हैं। आरोपियों ने नागपुर, लखनऊ सहित देश के कई राज्यों में लोगों को निवेश और फंड रिलीज का झांसा देकर करोड़ों की ठगी की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 मोबाइल, 26,000 रुपये नगद, अळट कार्ड और आधार कार्ड कुल 70,000 रुपये का सामान जब्त किया है। गिरोह पहले खुद को प्रभावशाली बताकर निवेश का झांसा देता है। फिर नकली केमिकल से काले नोटों को असली बनाने का प्रदर्शन करता है। असल में पहले से तैयार असली नोट दिखाकर लोगों को भ्रमित किया जाता है। इसके बाद विदेशी केमिकल, परीक्षण और अधिकारियों की अनुमति के नाम पर लगातार पैसे ऐंठे जाते हैं।

दतिया में बीजेपी का बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

पूरी जिला कार्यकारिणी भंग, जिलाध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारी पदमुक्त

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणामों की समीक्षा के बाद भारतीय जनता पार्टी ने जिले में बड़ा संगठनात्मक एक्शन लिया है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर दतिया जिले की पूरी संगठनात्मक संरचना तत्काल प्रभाव से भंग कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल के निर्देश तथा उपचुनाव परिणामों की समीक्षा हेतु गठित समिति की अनुशंसा के आधार पर यह कार्वाई की गई है।

भाजपा जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह कुशवाह को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि "भारतीय जनता पार्टी, जिला दतिया की वतर्मान संगठनात्मक संरचना तत्काल प्रभाव से भंग की जाती है।"

पूरी टीम पदमुक्त

पार्टी के आदेश के अनुसार जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति, मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ, प्रकल्प एवं विभागों सहित *समस्त जिला संगठन की इकाइयाँ तत्काल प्रभाव से पदमुक्त की जाती हैं।

आदेश पर ाामराज (श्याम महाजन) के हस्ताक्षर हैं। इस आदेश की प्रतिलिपि पार्टी के शीर्ष नेताओं को भी भेजी गई है। इनमें शामिल हैं

राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, संबंधित सांसद–विधायक, चंबल संभाग प्रभारी एवं जिला प्रभारी दतिया।

उपचुनाव में हार के बाद उठा कदम

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दतिया विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाने के बाद प्रदेश नेतृत्व ने संगठन में अनुशासन और जवाबदेही तय करने के लिए यह कड़ा निर्णय लिया है।

संगठन भंग होने के बाद अब प्रदेश नेतृत्व द्वारा जल्द ही *नई जिला कायर्कारिणी का गठन* किया जाएगा। माना जा रहा है कि नई टीम में युवा और जमीनी कार्यकर्ताओं को मौका दिया जा सकता है। इस निर्णय के बाद दतिया भाजपा में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बेमेतरा पुलिस ने 13.70 लाख की चोरी का किया खुलासा

5 शातिर आरोपी गिरफ्तार, सोना–चांदी के जेवरात, बाइक, टीवी, मोबाइल बरामद

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस ने चोरी की एक बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए 5 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 13 लाख 70 हजार रुपये की चोरी गई संपत्ति बरामद की गई है। पकड़े गए 4 आरोपियों के खिलाफ पहले से ही चोरी, नकबजनी और अन्य मामलों के दजर्नों प्रकरण दर्ज हैं।

22 जुलाई की दरम्यानी रात को सिटी कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 सिंघोरी निवासी पवन शाह के घर में अज्ञात चोरों ने कुंडी तोड़कर प्रवेश किया। चोर आलमारी में रखे 4.60 लाख के सोने–चांदी के जेवरात और 1 लाख नगद लेकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्य की मॉनिटरिंग में एसपी त्रिलोक बंसल स्वयं मौके पर पहुंचे। डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया।

आई के निर्देश पर सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला और सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर जांच शुरू की। पुलिस ने अजय कुमार जैन, मोहम्मद सुमोन खान और राजेश निषाद को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो तीनों ने अपराध स्वीकार कर लिया।

पूछताछ में पता चला कि चोरी के जेवरात को आरोपी अजय जैन की पत्नी दिव्या बाई सांखला ने ESAF Small Finance Ban' में 4.75 लाख में गिरवी रख दिया था। वहीं कुछ जेवरात राजनांदगांव के कोचर ज्वेलर्स के संचालक आदित्य जैन को 2 लाख में बेच दिए गए। चोरी के नगद से आरोपियों ने टीवी, मोबाइल और अन्य सामान खरीदे थे।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त मोटर साइकिल सीजी 07 इछ 0261, हुक, टीवी, मोबाइल, गोल्ड प्लेज कार्ड, गोल्ड लोन की पर्ची, नगदी और चोरी के सोने–चांदी के जेवरात बरामद कर जप्त किए। कुल जप्ती की कीमत लगभग 13,70,000 रुपये है।

गिरफ्तार आरोपी

अजय कुमार जैन – वार्ड 19, वधर्मान नगर, राजनांदगांव। इसके खिलाफ राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद जिलों में चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट के 41 मामले दर्ज हैं। मोहम्मद सुमोन खान – पश्चिम बंगाल निवासी, हाल भागलकोट, कर्नाटक। इसके खिलाफ 7 मामले दर्ज हैं। राजेश निषाद – शिकारी महका, छुरिया, राजनांदगांव। इसके खिलाफ 33 मामले दर्ज हैं। दिव्या बाई सांखला – अजय जैन की पत्नी, राजनांदगांव। इसके खिलाफ 11 मामले दर्ज हैं। आदित्य जैन – संचालक, कोचर ज्वेलर्स, राजनांदगांव। सभी आरोपियों को 31 जुलाई को गिरफ्तार कर 3 अगस्त तक पुलिस रिमांड लिया गया था। आज उन्हें न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

सराहनीय भूमिका

इस कार्वाई में निरीक्षक सोनल ग्वाला, निरीक्षक मयंक मिश्रा, प्रशिक्षु उप निरीक्षक विजयेन्द्र कश्यप, निधि गुप्ता सहित सिटी कोतवाली और सायबर सेल की संयुक्त टीम का सराहनीय योगदान रहा।

बांकीपुर के नतीजे से बदली बिहार की सियासी हवा

विश्लेषण
आलोक तिवारी

क्या प्रशांत किशोर के साथ शुरू हो गया 'PK' का दौर?

'जन सुराज' की जीत ने एनडीए और विपक्ष दोनों की नींद उड़ा दी है

नई दृष्टिबिंदु / पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का नतीजा सिर्फ एक सीट का आंकड़ा नहीं है। यह बिहार की राजनीति में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत है। कभी भाजपा का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर प्रशांत किशोर की पार्टी 'जन सुराज' की जीत ने एनडीए और विपक्ष दोनों की नींद उड़ा दी है।

एनडीए में नेतृत्व संकट और मंथन

बांकीपुर की हार के बाद दिल्ली से पटना तक हलचल तेज है। नतीजे आते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की 45 मिनट की बैठक हुई। बैठक में जेडीयू के कायर्कारी अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी मौजूद थे। हालांकि इसे 'शिष्टाचार मुलाकात' बताया गया, लेकिन सच्चाई यह है कि भाजपा नेतृत्व अब बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व पर पुनर्विचारको मजबूर है। तेजस्वी यादव का तंज भी इसी ओर इशारा करता है – "सम्राट के 100–150 दिन के कायर्काल में बीजेपी 2 बड़े चुनाव हार चुकी है।" जमीनी हकीकत भी यही कहती है। नीतीश कुमार के बनाए अति पिछड़ा–कुर्मी–दलित समीकरण को साधने में मौजूदा नेतृत्व फेल नजर आ रहा है। नतीजाः परंपरागत वोटर बिखर रहा है।

आरजेडी के 'डिफॉल्ट विकल्प' वाले गणित पर चोट

अब तक बिहार में चुनावी गणित सीधा था – एनडीए से नाराज वोटर आरजेडी के पास चला जाता था। लेकिन बांकीपुर ने इस फॉर्मूले को तोड़ दिया। प्रशांत किशोर ने तीसरे विकल्प के रूप में जगह बना ली है। खासकर 2 वर्गों में उनकी सेंध चिंताजनक हैः युवा वोटरः जो बदलाव और नई राजनीति चाहते हैं मुस्लिम वोटरः जो सालों से आरजेडी के साथ थे, लेकिन इस बार जन सुराज की तरफ झुके अगर यह ट्रेंड आगे बढ़ा तो आरजेडी का कोर वोट बैंक ही खतरे में पड़ जाएगा। तेजस्वी के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती है।

बिहार में री–अलाइनमेंट की शुरुआत?

वरिष्ठ विश्लेषकों का मानना है कि बांकीपुर के बाद बिहार में राजनीतिक पुनर्गठन शुरू हो चुका है। कांग्रेस का आंतरिक झुकाव कई युवा और स्थानीय कांग्रेसी नेता अंदरूनी तौर पर पीके के साथ देखे गए दल–बदल की संभावनाः यदि जन सुराज आगे भी गति पकड़ता है तो एनडीए और महागठबंधन दोनों के नाराज नेता इस मंच से जुड़ सकते हैं प्रशांत किशोर ने मुद्दों की राजनीति और जमीनी कैंपेन से यह साबित कर दिया कि बिहार की जनता अब जाति और परिवार से ऊपर उठकर*विकल्प देखना चाहती है।

एक चुनाव, कई संदेश बांकीपुर का परिणाम 3 बड़े संदेश दे गयाः

भाजपा के लिएः नीतीश के बिना सामाजिक समीकरण साधना मुश्किल आरजेडी के लिएः 'हम ही विकल्प हैं' वाला नैरेटिव अब काम नहीं करेगा

बिहार की जनता के लिए*: पारंपरिक राजनीति के खिलाफ एक नया रास्ता खुला हैअगले विधानसभा चुनाव से पहले यह उपचुनाव टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। सवाल अब यह नहीं है कि पवेके जीतेंगे या नहीं, सवाल यह है कि *बिहार की बाकी पाटिर्यां ढङ के दौर को कैसे झेलेंगी।

सरकारी कर्मचारियों के डेस्क का हर 3 साल में होगा फेरबदल

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया परिपत्र, तत्काल प्रभाव से लागू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

राज्य सरकार ने पारदशिर्ता और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। अब राज्य के समस्त सारकारी कार्यालयों में पादस्था अधिकारी और कमर्चारियों के कार्य–पटल यानी डेस्क असाइनमेंट का हर 3 साल में अनिवार्य रूप से फेरबदल किया जाएगा।

सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत द्वारा 03 अगस्त 2026 को जारी परिपत्र में यह निर्देश दिए गए हैं। परिपत्र तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

परिपत्र के अनुसार राज्य के सभी विभागों, विभागाध्यक्ष कार्यालयों, संभागीय आयुक्त कार्यालयों, कलेक्टर कार्यालयों एवं अधीनस्थ कार्यालयों में लंबे समय से एक ही स्थान या एक ही कार्य–पटल पर पदस्थ अधिकारी–कमर्चारियों के कार्य–पटल में हर तीन वर्ष में बदलाव किया जाएगा।

शासन का मानना है कि लंबे समय तक एक ही डेस्क पर रहने से कार्य क्षमता प्रभावित होती है। डेस्क बदलने से कमर्चारियों को कार्यालय के सभी प्रकार के कार्यों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। इससे वे विभिन्न नियमों, प्रक्रियाओं और कार्यालयीन व्यवस्थाओं से परिचित होंगे, जिससे दक्षता और कायर्कुशलता में वृद्धि होगी।

इन बिंदुओं पर रहेगा फोकस

*अनिवार्य रेषफलिंग : हर 3 साल में सभी अधिकारी–कमर्चारियों के कार्य–पटल का परिवर्तन।

*कार्यालयीन हितः फेरबदल करते समय प्रशासनिक आवश्यकता, कार्य की प्रकृति और कार्यालयीन हित का ध्यान रखा जाएगा।

*अपवादः विशेष परिस्थिति में यदि किसी को उसी डेस्क पर रखना जरूरी हो, तो सक्षम प्राधिकारी के लिखित और कारणयुक्त अनुमोदन के बाद ही संभव होगा।

*रिकॉर्ड संधारणः विभागाध्यक्ष और कार्यालय प्रमुख कार्य–पटल परिवर्तन का पूरा विवरण कार्यालय स्तर पर संधारित करेंगे।

*समयबद्ध पालनः समस्त विभागाध्यक्ष और कार्यालय प्रमुख इस परिपत्र का समयबद्ध और प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस निर्णय का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में पारदशिर्ता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करना है।

परिपत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री सचिवालय और मुख्य सचिव कार्यालय को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कायर्वाही हेतु भेजी गई है।

रायपुर ग्रामीण पुलिस की बड़ी कार्वाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर ग्रामीण पुलिस ने क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले आदतन अपराधी लल्ला उर्फ टुमन सोनवानी को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3(2) के तहत निरुद्ध कर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया है। आरोपी लल्ला उर्फ टुमन सोनवानी पिता कमल सोनवानी, उम्र 24 वर्ष, निवासी सदर रोड नवापारा, थाना गोबरा नवापारा के खिलाफ पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण द्वारा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर को प्रतिवेदन भेजा गया था। पुलिस के अनुसार लल्ला सोनवानी वर्ष 2010 से अब तक हत्या, शराब पीकर मारपीट, गुंडागर्दी, अवैध हथियार रखना, शराब बिक्री, गांजा तस्करी और जुआ खिलाने जैसे अपराधों में शामिल रहा है। इन अपराधों को ही उसने जीविकोपार्जन का जरिया बना लिया था। उसके खिलाफ आबकारी एक्ट, जुआ–सट्टा एक्ट, एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत 13 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। साथ ही प्रतिबंधात्मक कार्वाई के तहत 11 प्रकरण भी पंजीबद्ध कर न्यायालय से समय–समय पर बाउंड ओव्हर कराया गया था।

पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया को सीएसआर टाइम्स अवार्ड

मातृछाया कार्यक्रम के लिए गोल्ड तो हेल्थ फॉर आल प्रोग्राम के लिए मिला सिल्वर अवार्ड

नई दृष्टिबिंदु /नई दिल्ली

सरकार के साथ मिलकर समुदाय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को मुहैया कराने में सक्रिय रूप से सहयोग कर रही पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) संस्था को मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में सीएसआर टाइम्स अवार्ड से नवाजा गया। संस्था को रूरल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट की कैटेगरी में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया फाउंडेशन से वित्त पोषित ह्यमातृछायाह्व कार्यक्रम के लिए गोल्ड अवार्ड प्रदान किया गया है। इसके अलावा निवाबूपा हेल्थ इंश्योरेंस से वित्त पोषित हेल्थ केयर- हेल्थ फॉर आल (इंटिग्रेटेड प्राइमरी हेल्थ केयर डिलीवरी टिल दि लास्ट माइल) कार्यक्रम के लिए सिल्वर अवार्ड प्राप्त हुआ है।

पीएसआई इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश शर्मा ने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से मातृछाया कार्यक्रम की अनूठी पहल उत्तर प्रदेश में की गयी है। इसके तहत पहले चरण में स्वास्थ्य विभाग की मदद से बहराइच, बलरामपुर और हरदोई जिलों के एक-एक सीएचसी का चयन किया गया। इसके बाद वहां के प्रसव स्थल व प्रसव कक्ष की व्यवस्थाओं का मानक के अनुरूप आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण किया गया। इसके साथ ही प्रसव बिस्तरों, नवजात शिशु देखभाल क्षेत्र, नर्सिंग स्टेशन और सही तरीके से हाथ धुलने की व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया। इससे प्रसूता और नवजात को एक स्वस्थ और बेहतर माहौल प्राप्त हुआ। इसके लिए सीएसआर टाइम्स गोल्ड अवार्ड प्राप्त होने से निश्चित रूप से इस कार्यक्रम से जुड़े साथियों और संस्था का उत्साहवर्धन होगा और हमारा प्रयास होगा कि सेवाओं को और गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए।

दूसरी ओर हरियाणा के गुरुग्राम में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को घर बैठे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर पीएसआई इंडिया और निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस के सहयोग से चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित चार मेडिकल मोबाइल यूनिट को संचालित किया जा रहा है।

मेडिकल मोबाइल यूनिट ग्रामीणों के सामान्य रोगों की जांच करने के साथ ही जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रदान करती है। इसके अलावा परामर्श और आवश्यकता पड़ने पर रेफर की भी सुविधा प्रदान करती है। हेल्थ फॉर आल कार्यक्रम के तहत किशोर-किशोरियों को इस अवस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बदलावों व एनीमिया से बचने के बारे में भी परामर्श प्रदान किया जाता है। इस कार्यक्रम के लिए सीएसआर टाइम्स सिल्वर अवार्ड से संस्था को नवाजा गया है।

खास खबर

एक चोर की तलाश में निकली पुलिस ने पकड़ा 96 अपराधों वाला चोरी गिरोह

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा।

अंतरजिला चोरी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला और एक ज्वेलरी कारोबारी भी शामिल है। गिरोह के 3 मुख्य आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ के विभिन्न थानों में कुल 96 आपराधिक मामलेदर्ज हैं।

21 जुलाई को बेमेतरा के रामनगर क्षेत्र में लाखों रुपये की चोरी की घटना हुई थी। एक चोर की तलाश में निकली सिटी कोतवाली और सायबर सेल की संयुक्त टीम को जांच के दौरान पूरे गिरोह का सुराग मिल गया। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल एसपी ने प्रेसवार्ता में बताया कि आरोपियों से पूछताछ के बाद चोरी में प्रयुक्त सोने-चांदी के जेवरात, नगद राशि, कटर और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

बेमेतरा पुलिस की बड़ी सफलता, 5 आरोपी गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

पुलिस ने गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें 3 शातिर चोर, एक महिला और राजनांदगांव का एक ज्वेलरी संचालक शामिल है। रद्द के अनुसार गिरफ्तार 3 मुख्य आरोपियों पर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट सहित 96 अपराध दर्ज हैं।

रद्द त्रिलोक बंसल ने बताया कि गिरोह अन्य जिलों में भी चोरी की वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस अब आरोपियों स्पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य मामलों की भी जांच कर रही है। इस कारवाई में सिटी कोतवाली और सायबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग रीजन में बिजली खपत में 25% की गिरावट, 6 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा एम. ऊर्जा योजना का लाभ

94% स्मार्ट मीटरधारी 400 यूनिट तक की श्रेणी में, जून की तुलना में जुलाई में घटी खपत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र में जुलाई 2026 के दौरान स्मार्ट मीटरधारी घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। खपत घटने से राज्य सरकार की एम. ऊर्जा (मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान) योजना का लाभ अब अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा। सीएसपीडीसीएल दुर्ग के जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2026 में कुल बिजली खपत 108.96 मिलियन यूनिट (एमयू) रही, जो जून 2026 के 145.31 मिलियन यूनिट की तुलना में 25.02 प्रतिशत कम है।

94% उपभोक्ता 400 यूनिट तक की श्रेणी में

दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले में कुल 6,43,112 स्मार्ट मीटरधारी घरेलू उपभोक्ता हैं। इनमें से 6,02,188 उपभोक्ता यानी लगभग 94 प्रतिशत* जुलाई में 400 यूनिट तक बिजली खपत की श्रेणी में रहे। जून में 400 यूनिट तक वाले उपभोक्ताओं की संख्या 5,54,115 थी, जो जुलाई में बढ़कर 6,02,188 हो गई। इसमें 8.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। इस वर्ग की कुल खपत भी 79.96 एमयू से घटकर 76.65 एमयू रह गई। वहीं 400 यूनिट से अधिक खपत करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या जून के 88,997 से घटकर जुलाई में 40,924 रह गई, जो 54.02 प्रतिशत की कमी है। इस वर्ग की खपत भी 65.36 एमयू से घटकर 32.31 एमयू हो गई।

खपत घटने के दो मुख्य कारण

सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने बताया कि खपत में कमी के दो कारण हैं। पहला, मानसून सीजन में एसी और कूलर जैसे उपकरणों का उपयोग कम होना।

दूसरा, उपभोक्ताओं द्वारा एम. ऊर्जा योजना का लाभ लेने के लिए अपनी खपत को नियोजित रूप से सीमित रखना। उन्होंने स्पष्ट किया कि जून में मानसून में देरी के कारण भीषण गर्मी रही थी। इससे पंखे, कूलर और एसी का उपयोग बढ़ गया था, जिसकी वजह से बिल अधिक आया। इसमें स्मार्ट मीटर या तकनीकी खराबी की कोई भूमिका नहीं है।

मीटर रीडिंग पूरी तरह सत्यापित

कंपनी ने कहा है कि सभी आंकड़े स्मार्ट मीटरधारी घरेलू उपभोक्ताओं की वास्तविक मीटर रीडिंग पर आधारित हैं और पूर्णतः सत्यापित हैं। मीटर संबंधी किसी भी अनियमितता की शिकायत पर विभाग द्वारा तत्काल जांच की जाएगी।

राष्ट्रमण्डल खेल में रजत जीतकर ज्ञानेश्वरी यादव ने बढ़ाया प्रदेश का मान : भाजयुमो

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

गौरव यदु ने कहा - इच्छाशक्ति और परिश्रम से कोई लक्ष्य असंभव नहीं

ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमण्डल खेल-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में *रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली *राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव को भारतीय जनता युवा मोर्चा ने बधाई दी है।

भाजयुमो जिला महामंत्री गौरव यदु* ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने अपने पहले ही राष्ट्रमण्डल खेल में 199 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीतकर सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। यह उपलब्धि प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है और प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।

सरकार ने की सम्मान की घोषणा

गौरव यदु ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश्वरी की ऐतिहासिक उपलब्धि पर उन्हें 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि और आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और अन्य खिलाड़ियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलेगी। गौरव यदु ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अभ्यास और समर्पण के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल की है। उनकी सफलता प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

सरकार की खेल नीति की सराहना

उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार मातृशक्ति और युवाओं को आगे बढ़ने का पूरा अवसर दे रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक खिलाड़ी ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में तिरंगा लहराएं।

"प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें अवसर देना और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना सरकार की खेल नीति का महत्वपूर्ण आधार है। यही प्रयास आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को खेलों के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा," गौरव यदु ने कहा। भाजयुमो ने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत और छत्तीसगढ़ का नाम विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

महादेव घाट स्थित हटकेश्वर नाथ मंदिर में बृजमोहन ने किया सहस्त्रधारा अनुष्ठान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रविवार को रायपुर के महादेव घाट स्थित प्रसिद्ध पौराणिक मंदिर श्री हटकेश्वर नाथ महादेव में आयोजित सहस्त्रधारा अनुष्ठान में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना की। धार्मिक आयोजन के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भगवान हटकेश्वर नाथ महादेव के समक्ष श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा सभी लोगों पर बनी रहे और समाज में सुख, शांति एवं समृद्धि का वातावरण कायम हो। सहस्त्रधारा अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी हिस्सा लिया और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। यह आयोजन श्रद्धेय स्वर्गीय दाऊ श्री प्रभात अग्रवाल जी की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया था। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दाऊ प्रभात अग्रवाल जी का पूरा जीवन समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने हमेशा समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता और क्षेत्र के विकास के लिए कार्य किया। बृजमोहन अग्रवाल ने स्वर्गीय दाऊ प्रभात अग्रवाल जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके सेवा कार्य और सामाजिक सरोकार हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। उनकी स्मृतियां समाज के लिए सदैव मार्गदर्शक बनी रहेंगी। महादेव घाट स्थित श्री हटकेश्वर नाथ महादेव मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां समय-समय पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने सभी नागरिकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साहू समाज का बड़ा फैसला : समानांतर संगठन से जुड़े दजर्नों सदस्य निष्कासित

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला साहू संघ बेमेतरा ने संगठनात्मक अनुशासन को सर्वोपरि बताते हुए *समानांतर संगठन से जुड़े दजर्नों सदस्यों की प्राथमिक एवं आजीवन सदस्यता समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

स्थानीय साहू सदन में जिला अध्यक्ष नारद साहू की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह, परिवार संस्कार कायशाला एवं जिला कायकारिणी की बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, संस्कक मंडल, महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि सहित जिलेभर से समाजजन उपस्थित थे।

बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि समाज विरोधी गतिविधियों, संगठन को विभाजित करने के प्रयास और समानांतर संगठन के संचालन को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा समानांतर संगठन बनाकर समाज में भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा था।

निर्णय लिया गया कि निष्कासित सदस्यों को समाज के किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाएगा और न ही किसी सामाजिक दायित्व में शामिल किया जाएगा। जिला संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि लगभग 20 लोग जो पूर्व में लिखित आवेदन देकर संगठन की मुख्यधारा में लौट चुके हैं, उनकी सदस्यता समाप्त नहीं की गई है। उन्हें नियमित सदस्य के रूप में स्वीकार किया गया है।

निष्कासित किए गए प्रमुख सदस्य

गेंदराम साहू पूर्व जिला अध्यक्ष श्यामपुर कांपा, शत्रुघ्न साहू बेमेतरा, सुरेश साहू बोड़, मनमोहन साहू हरदास, उमाशंकर साहू डोंगीतराई, गंगाराम साहू लालपुर, चंद्रशेखर साहू बोरतरा, अंतराम साहू बरगा, प्रमोद साहू किरीतपुर, टिकेराम साहू रौद्रा, तखतराम साहू बरगा, श्यामलाल साहू भेड़नी, गुहाराम साहू भेंडरवानी, मुकेश कुमार साहू बेमेतरा, सुषमा साहू बेमेतरा, अनीता साहू बेमेतरा, आनंद प्रकाश साहू, अशोक साहू सोंचिरैया, नंदकुमार साहू जेवरा-एन, लच्छीराम साहू भरदा, गिरधर साहू श्यामपुर कांपा, गंगाधर साहू श्यामपुर कांपा, नेतराम साहू सोंचिरैया, धनीराम साहू सेमरिया, करण साहू घोटवानी, बलदाऊ साहू परसबोड़, हेमराम साहू सेमरिया, राजकुमार साहू।

बैठक में प्रदेश साहू संघ के निर्देशानुसार अगस्त में जिला एवं तहसील स्तर पर तथा सितंबर में सभी परिक्षेत्रों और गांवों में परिवार संस्कार कायशालाएं* आयोजित करने का संकल्प लिया गया। उद्देश्य नई पीढ़ी को सामाजिक संस्कारों और परंपराओं से जोड़ना है। बैठक में नवगठित कायकारिणी को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। संरक्षक पंचराम साहू, रामकुमार साहू, कायकारी अध्यक्ष गौकरण साहू, हरीश साहू, उपाध्यक्ष दुर्गेश्वरी साहू, गोपाल साहू, महासचिव देवेंद्र साहू, बेनूराम साहू सहित पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। बैठक में रीना देवी साहू, हनुमत साहू, देवसिंह साहू, केशव साहू सहित अन्य समाजसेवियों का भी पुष्पगुच्छ एवं सम्मान पत्र देकर अभिनंदन किया गया।

विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई

सुशासन तिहार, हेल्पलाइन और लंबित शिकायतों की समीक्षा, 15 दिन में निपटारे के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और जनशिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी है। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सुशासन तिहार, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, कलेक्टर जनदर्शन और विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, शिक्षा, आदिवासी विकास और विद्युत सहित सभी विभागों की प्रगति पर चर्चा हुई।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और जनदर्शन की शिकायतें सीधे आमजन की अपेक्षाओं से जुड़ी हैं। इनका समयबद्ध निराकरण ही सुशासन की पहचान है। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ जनपद और विभाग प्रमुखों को आगामी 15 दिनों में विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश दिए। प्रत्येक सप्ताह प्रगति की समीक्षा होगी और अनावश्यक विलंब करने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हर घर तिरंगा को बनाएंगे जनभागीदारी का उत्सव

बैठक में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस और हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान औपचारिक न होकर जन-जन की भागीदारी वाला राष्ट्रीय अभियान बने।

उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर तक जागरूकता चलाई जाए और हर नागरिक को घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाए।

स्कूल, कॉलेज, आंगनबाड़ी, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रभात फेरी, तिरंगा रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सभी शासकीय भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। जनपद पंचायतों को अपने क्षेत्र में *शत-प्रतिशत घरों तक तिरंगा पहुंचाने का लक्ष्य दिया गया।

गरिमामय होगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमा और राष्ट्रभक्ति के साथ मनाया जाएगा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों और शहीदों के परिवारों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। स्कूली बच्चों द्वारा मार्च पास्ट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।

पुलिस को सुरक्षा, नगर पालिका को साफ-सफाई, स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस, विद्युत विभाग को बिजली और लोक निर्माण विभाग को कार्यक्रम स्थल की जिम्मेदारी सौंपी गई।

त्रिलोक बंसल ने की जनसुनवाई, शिकायतों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

भूमि विवाद, पारिवारिक और आपराधिक मामलों की सुनवाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आम नागरिकों की शिकायतें सुनीं और उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने भूमि विवाद, पारिवारिक प्रकरण, आपराधिक मामले सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। रढ ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनकर संबंधित थाना और चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। रढ त्रिलोक बंसल ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। तात्कालिक महत्व के मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि विस्तृत जांच वाले प्रकरणों को विधिवत दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेजा गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही बरती जाए। पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर स्टेनो संतोष सोनवानी सहित पुलिस कार्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस का विशेष अभियान : 600 से ज्यादा अवैध प्रवासी और किरायेदारों का सत्यापन

रायपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम के लिए रायपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा विशेष सत्यापन एवं जनसुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज थाना सिलतरा पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र में निवासरत श्रमिकों, बाहरी राज्यों से आकर कार्य करने वाले व्यक्तियों और किरायेदारों के दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), नोडल अधिकारी एसटीएफ अभिषेक झा और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (माना) लम्बोदर पटेल के मार्गदर्शन में चलाया गया।

विशेष अभियान के तहत सांकरा स्थित जे.के. वीडियो हॉल परिसर में लगभग 600 किरायेदारों का भौतिक सत्यापन कर दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान 6 संदेही व्यक्तियों की विशेष तस्दीक की गई, जिनसे पूछताछ कर वैधानिक प्रक्रिया के तहत आगे की जांच जारी है।

पुलिस ने मकान मालिकों और प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना पुलिस सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को किराए पर मकान न दें और बाहरी व्यक्तियों की समय-समय पर पुलिस को जानकारी उपलब्ध कराएं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिषेक झा ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा, अपराधो की रोकथाम और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अवैध प्रवासी और किरायेदारों का सत्यापन अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

खास खबर

हत्या के मामले में 2 साल से फरार आरोपी नागपुर से गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी सुमित हीरानंद लालवानी उम्र 30 वर्ष को घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी मूलतः नागपुर के जेरीपटका थाना क्षेत्र, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का निवासी है। थाना उतई में अपराध क्रमांक 240/2024 धारा 103(1), 332(), 309(6), 61(2), 3(5), 317(2), 238 के तहत हत्या का मामला दर्ज है। इस प्रकरण में पूर्व में आरोपिया दीपजोत कौर संधु उर्फ निक्की और एक अपचारी बालिका को 14.08.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका था। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों और मेमोरेण्डम कथन के आधार पर फरार आरोपी सुमित लालवानी की लगातार तलाश की जा रही थी। घटना के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर आरोपी की लोकेशन नागपुर में ट्रेस की। योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने प्रकरण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। पुलिस ने उसके पास से 9,000 रुपये नगदभी जब्त किए। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर आरोपी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेजा गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन भारद्वाज, उप निरीक्षक श्रीराम पेन्द्रो, सहायक उप निरीक्षक सुरेश पाण्डेय, आरक्षक ध्रुवनारायण चन्द्राकर सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने कहा कि हत्या जैसे गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है और कानून से बचने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होने दिया जाएगा।

महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

बढ़े हुए बिजली बिल वापस लेने, 400 यूनिट बिल हाफ योजना पुन : लागू करने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

महंगी बिजली, बढ़े हुए बिजली बिलों और स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ने सोमवार को छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का नेतृत्व शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता पहले से महंगाई की मार झेल रही है। ऐसे में बिजली दरों में वृद्धि और स्मार्ट मीटर लगाना उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ है। स्मार्ट मीटर लगने के बाद मनमानी बिलिंग और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें लगातार मिल रही हैं।

धीरज बाकलीवाल ने कहा कि कांग्रेस जनता के हितों से जुड़े इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी। आवश्यकता पड़ने पर चरणबद्ध आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

ज्ञापन में कांग्रेस ने 3 प्रमुख मांगें रखीं: बिजली दरों में की गई वृद्धि तत्काल वापस ली जाए। स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। 400 यूनिट बिजली बिल हाफ योजना को पुनः लागू किया जाए।

विद्युत विभाग से मांगी जानकारी

कांग्रेस ने कार्यपालन अभियंता से 3 बिंदुओं पर जानकारी भी मांगी: दुर्ग शहर में अब तक कितने स्थानों और कितने उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए गए, इसकी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाए। बिजली बिल की मीटर रीडिंग एक समान समयावधि में हो, ताकि कम या अधिक दिनों की रीडिंग से अतिरिक्त बिल न देना पड़े। नए स्मार्ट मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं की विधिवत सहमति ली गई है या नहीं। यदि नहीं ली गई तो किस नियम के तहत मीटर लगाए जा रहे हैं।

धीरज बाकलीवाल ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और विद्युत विभाग ने शीघ्र जनहित में निर्णय नहीं लिया तो कांग्रेस व्यापक जनआंदोलन करेगी।

इस दौरान रायसिंह दीकोला, अलताफ अहमद, प्रेमलता साहू, प्रवक्ता सुशील भारद्वाज, मनीष बघेल, निकिता मिलिंद, शकुन ढीमर, देव श्री साहू, देव सिन्हा, विजयंत पटेल, दुष्यंत देवांगन, नंदकिशोर शर्मा, आनंद कपूर ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हत्या के प्रयास के 7 महीने से फरार आरोपी गिरफ्तार

चौकी स्मृतिनगर पुलिस की कारवाई, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

दुर्ग पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में करीब 7 महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। थाना सुपेला अंतर्गत चौकी स्मृतिनगर पुलिस ने पुरानी रंजिश में युवक पर प्राणघातक हमले के मामले में फरार आरोपी प्रियांशु वासुराज उर्फ वासु कुमार उम्र 25 वर्ष को पकड़ा। आरोपी मूलतः बढ़ोनिया, थाना संग्रामपुर, जिला मुंगेर बिहार का निवासी है और वर्तमान में अवंति बाई चौक, केयर अस्पताल के पास कोहका भिलाई में रह रहा था।

प्रार्थी ऋतिक प्रसाद गुप्ता उम्र 22 वर्ष निवासी साकेत नगर कोहका ने 09 जनवरी 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि रात करीब 12:30 बजे वह मित्र के पीजी से पढ़कर लौट रहा था। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर सोनू यादव, अमन साव, ऋषभ तिवारी और प्रियांशु वासुराज ने उसे रोका। आरोपियों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के, डंडे तथा हाथ में पहने कड़े से प्राणघातक हमला कर दिया।

इस मामले में चौकी स्मृतिनगर में अपराध क्रमांक 35/2026 धारा 109, 296, 351(3), 115(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस ने लगातार पतासाजी कर आरोपी प्रियांशु वासुराज को अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद विधिवत गिरफ्तारी कर उसे माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपराधिक गतिविधि या फरार आरोपियों की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नकली डेयरी उत्पादों पर सख्त कार्रवाई

रायपुर। उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एनालॉग पनीर तथा अन्य डेयरी एनालॉग उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण और विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अधिसूचना जारी की गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ने जिले के सभी खाद्य कारोबार संचालकों, डेयरी उत्पाद निर्माताओं, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं से शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन करने की अपील की है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अनुसार यह निर्णय खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिया गया है। विभागीय परीक्षण, प्रयोगशाला विश्लेषण एवं जोखिम मूल्यांकन में यह सामने आया कि कुछ उत्पाद वास्तविक दूध से निर्मित नहीं होने के बावजूद उन्हें पनीर, क्रीम, मक्खन अथवा अन्य दुग्ध उत्पादों के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। इससे उपभोक्ताओं के भ्रमित होने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ ? की आशंका बनी हुई थी।

प्रतिबंध के दायरे में ऐसे सभी उत्पाद शामिल किए गए हैं, जिनमें दूध के स्थान पर वनस्पति वसा, वनस्पति तेल अथवा अन्य गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया गया हो, अथवा जिनकी लेबलिंग, पैकेजिंग या प्रदर्शन इस प्रकार किया गया हो कि वे वास्तविक दुग्ध उत्पाद प्रतीत हों। शासन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भ्रामक उत्पादों से बचाना तथा खाद्य बाजार में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। हालांकि, विभाग ने स्पष्ट किया है कि फ्रोजन डेजर्ट, प्रोसेस्ड चीज तथा मिक्स्ड फैट स्प्रेड जैसे वे उत्पाद, जिनके लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के मानक निर्धारित हैं और जिनकी विधिवत लेबलिंग की जाती है, इस प्रतिबंध के दायरे में शामिल नहीं होंगे।

धारदार हथियार से दहशत फैलाने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

देवार बस्ती में गुण्डागर्दी के मामले में खुर्सीपार पुलिस की कारवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

दुर्ग के खुर्सीपार थाना पुलिस ने देवार बस्ती क्षेत्र में धारदार हथियार लेकर दहशत फैलाने वाले फरार 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण केंवट के नेतृत्व में खुर्सीपार पुलिस ने आरोपियों जानवी देवार उम्र 20 वर्ष, राजमा देवार उम्र 27 वर्ष और मोनिका उर्फ गुलपसा देवार उम्र 27 वर्ष को पकड़ा। तीनों आरोपी मछली मार्केट, खुर्सीपार भिलाई के निवासी हैं।

देवार बस्ती खुर्सीपार में कुछ लोगों द्वारा धारदार हथियार लेकर उत्पात मचाने और स्वयं को क्षेत्र का "दादा" बताकर आम लोगों को डराने-धमकाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी अमजद देवार उम्र 52 वर्ष को मौके से गिरफ्तार कर लिया था। अन्य आरोपी फरार हो गए थे। प्रकरण में थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 200/2026 धारा 333, 191, 109(1) इटर एवं धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार पहले ही जप्त किए जा चुके हैं।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए फरार आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 04.08.2026 को पुलिस ने तीनों फरार आरोपियों जानवी देवार, राजमा देवार और मोनिका उर्फ गुलपसा देवार को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद सभी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी समूह बनाकर सार्वजनिक स्थान पर हथियारों के साथ पहुंचते थे और स्वयं को प्रभावशाली बताकर लोगों में भय का माहौल बनाते थे।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लेकर दहशत फैलाने या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। ऐसे लोगों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कॉमनवेल्थ रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव का राजनांदगांव में भव्य स्वागत

जिला हॉकी संघ ने किया सम्मान, महापौर और पर्यटन मंडल अध्यक्ष रहे मौजूद

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

ग्लासगो स्कॉटलैंड में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 की वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाली राजनांदगांव की बेटी सुश्री ज्ञानेश्वरी यादवका सोमवार को नगर में भव्य स्वागत किया गया।

ज्ञानेश्वरी के प्रथम नगर आगमन पर *जिला हॉकी संघ, राजनांदगांव द्वारा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, गौरव पथ में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

ज्ञानेश्वरी का प्रथम आगमन पोस्ट ऑफिस चौक पर हुआ। यहां नागरिकों और खेल प्रेमियों ने फूलमालाओं से स्वागत किया। इसके बाद शहर के प्रमुख मार्गों से भव्य बाइक रैली निकाली गई जो गौरव पथ स्थित अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पहुंची।

दोपहर 1 बजे स्टेडियम में विशेष मंच पर सम्मान समारोह हुआ। *जिला हॉकी संघ अध्यक्ष फिरोज अंसारी के नेतृत्व और सचिव शिवनारायण धकेता के मार्गदर्शन में ज्ञानेश्वरी को फूलमाला, बुके, पारंपरिक गमछा और स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

खिलाड़ियों के लिए बनीं प्रेरणा

इस अवसर पर उपाध्यक्ष भूषण साव, कोषाध्यक्ष प्रिंस भाटिया, कार्यकारिणी सदस्य कुमार स्वामी, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी *मृणाल चौबे, खेल विभाग के सहायक संचालक ए. एक्का, अजय झा, प्रकाश शर्मा, तीरथ गोस्वामी सहित जिला एवं राज्य हॉकी संघ के पदाधिकारी, सीनियर मॉर्निंग हॉकी ग्रुप, छत्तीसगढ़ जूनियर बालिका हॉकी टीम, खेलो

इंडिया सेंटर के खिलाड़ी और बड़ी संख्या में हॉकी प्रेमी मौजूद रहे।

वक्ताओं ने कहा कि ज्ञानेश्वरी की यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल राजनांदगांव और छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उनकी सफलता प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह सिद्ध करती है कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता पाई जा सकती है।

कार्यक्रम के अंत में जिला हॉकी संघ ने ज्ञानेश्वरी को उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि वे आगे भी देश के लिए स्वर्णिम उपलब्धियां लाएंगी।

संपादकीय

सत्ताधारी नेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी

नई दृष्टिबिंदु

पुलिस कार्रवाइयों में मानव अधिकारों की अनदेखी बढ़ती चली गई है। गाहे-ब-गाहे ऐसी धारणा बनी है कि पुलिसकर्मी सरकारी नीति के तहत या सत्ताधारी नेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व ने परीक्षा व्यवस्था की गड़बडि ़ीं की जवाबदेही तय करने के लिए आंदोलन चलाया, लेकिन उसी आंदोलन के दौरान ही पुलिस जवाबदेही का जो सवाल खड़ा हुआ, उसे उठाने की जिम्मेदारी उसने नहीं निभाई। यह स्वागतयोग्य है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ये दायित्व उठाया है। इससे संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का नया मुद्दा भी उभरा है। गांधी ने रविवार को गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में दो ठोस सवाल पूछेः क्या 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान उन पर पैलेट गन सहित जानलेवा ताकत के इस्तेमाल की मंजूरी आपने दी और अगर नहीं, तो फिर किसने दी? सादी पोशाक में जो लोग लाठियों से छात्रों को पीटते देखे गए, वे पुलिसकर्मी थे या स्वयंसेवक, और उनकी तैनाती का आदेश किसने दिया? देश के जनमत का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी की इस टिप्पणी से सहमत होगा कि ऐसी हिंसा से हर कायदा नष्ट होता है और इस घटना ने देशवासियों में आक्रोश भरा है। आशा है, गृह मंत्री नेता विपक्ष को जवाबी पत्र लिखने अथवा संसद में इन प्रश्नों का उत्तर देने की अपनी जवाबदेही स्वीकार करेंगे। इसकी आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि हाल के वर्षों में पुलिस कारवाईयों के दौरान मानव अधिकारों के प्रति सम्मान का भाव लगातार घटता चला गया है। गाहे-ब-गाहे ऐसी धारणा बनी है कि पुलिसकर्मी सरकारी नीति के तहत या उच्च पदस्थ राजनेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं। 20 जुलाई को पुलिसकर्मियों ने देश की राजधानी में, विश्व मीडिया के सामने, उच्च-मध्यम एवं मध्य वर्ग से आए जेन-जी प्रदर्शनकारियों पर वैसी ही अमान्य कारवाईयां कीं। चूंकि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आती है, इसलिए यह अपेक्षित है कि अमित शाह इस बारे में स्थिति स्पष्ट करें। अगर पुलिसकर्मियों ने खुद अति-उत्साह दिखाया, तो उनके खिलाफ तुरंत उचित कारवाई शुरू की जानी चाहिए। अगर निर्णय राजनीतिक स्तर पर लिया गया, तो गृह मंत्री को अपना उत्तरदायित्व स्वीकार करना चाहिए। जवाबदेही का सवाल धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ खत्म नहीं हो गया है।

भारत सरकार ने एक देश, एक परीक्षा की महत्वाकांक्षी योजना के तहत एनटीए का गठन किया

नंदन नीलेकणी के ऊपर केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने का जिम्मा सौंपा है

फोसिस के सह संस्थापक और भारत में आधार क्रांति के सूत्रधार नंदन नीलेकणी के ऊपर केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने का जिम्मा सौंपा है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के पूर्व प्रमुख एस सोमनाथ को भी इस उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पता नहीं लोगों को याद हो कि न हो, दो साल पहले इसरो के पूर्व प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। जैसे 2026 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद यह कमेटी बनी है वैसे ही 2024 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद वह कमेटी बनी थी। राधाकृष्ण कमेटी ने एक सौ ज्यादा सिफारिशें की थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी 27 सिफारिशें ऐसी हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया। कुछ सिफारिशें आंशिक तौर पर मानी गईं और 57 सिफारिशों को पूरी तरह से स्वीकार किया गया। लेकिन उसका क्या नतीजा निकला? दो साल के बाद फिर पेपर लीक हो गया!

राधाकृष्ण कमेटी ने सिफारिश की थी नीट यूजी सहित करीब 20 प्रतियोगिता परीक्षाएं कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में विषय के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद भी पेपर लीक होना जारी है और दूसरी गड़बडिं भी हो ही रही हैं तो इसका अर्थ है कि एकमात्र समस्या यह नहीं है कि एनटीए में विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं। समस्या संरचनात्मक और व्यवस्थागत है। अगर नंदन नीलेकणी संरचनात्मक समस्याओं को समझ कर उसे ठीक करने का सुझाव देते हैं तब तो ठीक है अन्यथा इसका भी कोई मतलब नहीं होगा।

उनके सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती यह है कि क्या वे अखिल भारतीय परीक्षा के सिद्धांत को खत्म करने की सिफारिश करेंगे? क्या वे कहेंगे कि एक बार में 24 लाख छात्रों वाली नीट यूजी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए? क्या वे यह सिफारिश कर सकते हैं कि मेडिकल में दाखिले की पुरानी व्यवस्था बहाल हो और नीट यूजी की बजाय राज्यों को अपने कॉलेजों में दाखिले का अधिकार पहले जैसा दिया जाए? यानी शिक्षा और परीक्षा के मामले में राज्यों की स्वायत्तता सुनिश्चित की जाए। अगर नंदन नीलेकणी की कमेटी नीट समाप्त करने और मेडिकल में दाखिले की परीक्षा का विकेंद्रीकरण करने की सिफारिश नहीं करती है तो उनकी सिफारिशों का स्कोप बहुत सीमित हो जाएगा और तब किसी बड़े सुधार की संभावना कम हो जाएगी।

अब सवाल है कि अगर नीट समाप्त करने या नीट जैसी दूसरी अखिल भारतीय परीक्षाएं खत्म करने की सिफारिश नीलेकणी कमेटी नहीं करती है तो उसके पास क्या विकल्प बचेगा? सबसे अच्छा तो यही होगा कि नीट को समाप्त किया जाए। लेकिन अगर सरकार की ओर से कमेटी की सिफारिशों का जो स्कोप तय किया जाएगा यानी जो फ्रेमवर्क दिया जाएगा उसमें पहले ही यह स्पष्ट कर दिया जाए कि नीट की परीक्षा जारी रहेगी तो फिर नीलेकणी कमेटी को नीट को इंजीनियरिंग में दाखिले की परीक्षा जेईई की तरह दो चरणों में कराने की सिफारिश करनी चाहिए। ध्यान रहे अगले साल नीट की परीक्षा जेईई की तरह कंप्यूटर आधारित होगी और कई पालियों में होगी। हालांकि उसमें प्रश्नपत्रों की कठिनता के आधार पर अंकों के सामान्यीकरण की अलग समस्या आती है। फिर भी कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा पेपर लीक की संभावना को कम करती है। इसके साथ साथ अगर नीट की परीक्षा भी जेईई के तरह दो चरण में हो तो पेपर लीक की संभावना और कम हो सकती है। दो चरण का अर्थ है कि पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा हो और दूसरे चरण में एडवांस परीक्षा हो। पहले चरण में मल्टीपल च्वाइस वाले प्रश्न हों और दूसरे चरण में सब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएं। इसके अलावा नीलेकणी कमेटी को मेडिकल की पढ़ाई की फीस को नियमित करने के बारे में भी सुझाव देने चाहिए। अभी मेडिकल की परीक्षा में सबसे ज्यादा प्रश्न पत्र इसलिए लीक होते हैं कि एक बार में परीक्षा होती है और 720 अंकों की परीक्षा में अगर अच्छे अंक आ गए तो देश के प्रीमियम संस्थान में बहुत कम फीस में पढ़ ? का मौका मिलता है। अन्यथा निजी कॉलेजों में फीस इतनी ज्यादा है कि लोग स्वाभाविक रूप से पेपर लीक पर पैसा खर्च करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद सरकार इसी वजह से इसे हाई स्टेक यानी बड़े दांव वाली परीक्षा मानती है। नीट के बचाव में तर्क दिया जाता है कि इसमें झोलिफाई करके गरीब बच्चे भी मेडिकल की पढ़ाई कर सकते हैं। यह गलत है। निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस एक से डेढ़ करोड़ रुपए तक है। ऐसे में कौन गरीब अपने बच्चों को वहां पढ़ा पाएगा! अगर डोनेशन नहीं देना पड़े तब भी निजी कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई का खर्च सामान्य लोगों की पहुंच से बाहर है। बहरहाल, नीलेकणी कमेटी को सिर्फ नीट पर विचार नहीं करना है, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने के सुझाव देने हैं। इसकी शुरुआत एनटीए से हो सकती है। भारत सरकार ने एक देश, एक परीक्षा की महत्वाकांक्षी योजना के तहत एनटीए का गठन किया। इसके बाद एक एक करके परीक्षाओं को अखिल भारतीय स्वरूप दिया जाने लगा। मेडिकल की परीक्षा के साथ साथ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए भी सीयूईटी की परीक्षा ली जाने लगी। इसमें अलग समस्याएं हैं। वास्तविकता यह है कि एनटीए देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधार में शून्य योगदान दे रहा है। सो, नीलेकणी कमेटी एनटीए को खत्म करने और पुरानी विकेंद्रित परीक्षा व्यवस्था बहाल करने की सिफारिश करे। सवाल है कि अगर एनटीए को समाप्त करना उसके स्कोप ऑफ वर्क से बाहर हो तो क्या करना चाहिए? तब उसे एनटीए में सुधार की सिफारिश करनी चाहिए।

नीट यूजी के पेपर लीक के खिलाफ चल रहा आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का है

पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और सोनम वांगचुक की 26 दिन तक चली भूख हड़ताल की तुलना 2011 के अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से की जा रही है। ऊपर से देखने पर लगेगा कि वैसा ही आंदोलन है। इससे पहले हुए किसी दूसरे आंदोलन से भी इसकी तुलना की जा सकती है। कह सकते हैं कि छात्र और नौजवान वैसे ही उद्वेलित हुआ, जैसे 2012 में निर्भया कांड के समय था। ऊपरी तौर पर इसकी तुलना पिछले पांच दशक में हुए किसी भी दूसरे आंदोलन से की जा सकती है। जेपी के आंदोलन से भी तुलना कर सकते हैं तो मंडल, मंदिर, किसान, शाहीन बाग, पाटीदार या मराठा आंदोलन के कुछ कुछ तत्व इस आंदोलन में भी तलाशे जा सकते हैं। लेकिन थोड़ी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा कि यह आंदोलन अब तक हुए सभी आंदोलनों से कई मायने में भिन्न है।

इस आंदोलन की सबसे बड़ी पहचान है कि इसमें किसी तरह की अस्मिता नहीं तलाश सकते हैं। इस लिहाज से यह जेपी और अन्ना हजारे के आंदोलन की तरह है। उन दोनों आंदोलनों में भी समाज का हर वर्ग शामिल था क्योंकि उनमें जिस चीज का विरोध किया जा रहा था वह हर वर्ग को प्रभावित करने वाली थी। बाकी आंदोलनों में किसी न किसी तरह की अस्मिता का मामला रहा है। मंडल से लेकर मराठा या पाटीदार आरक्षण के आंदोलन में जातीय अस्मिता प्रमुख थी। मंदिर आंदोलन में भी हिंदू अस्मिता बहुत मुखर थी तो शाहीन बाग में मुस्लिम अस्मिता। निर्भया कांड के समय हुआ आंदोलन एक फ्लैश प्रोटेस्ट था, जो एक घटना से उपजा था और जल्दी ही समाप्त हो गया। उसका दायरा पूरे देश में नहीं फैला था।

इन सबसे उलट नीट यूजी के पेपर लीक के खिलाफ चल रहा आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का है। इसमें एक खास बात यह भी है कि कोई एक व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता है कि वह आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। सोनम वांगचुक जरूर इस आंदोलन की नैतिक ताकत हैं लेकिन नेतृत्व उनके हाथ में भी नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी आंदोलन का नेतृत्व करने का दावा नहीं कर सकते हैं। ऐसे आंदोलन के अक्सर अराजक हो जाने का खतरा रहता है। परंतु यह आंदोलन इतना लंबे चलने के बावजूद अराजक नहीं हुआ। जंतर मंतर पर मोटे तौर पर शांति बनी रही। दिल्ली से बाहर दूसरे राज्यों में जरूर कुछ प्रदर्शनों में हिंसा होने की खबरें आईं लेकिन दिल्ली में पुलिस की बड़ी कारवाई के बावजूद शांति रही। इसका कारण यह था कि आंदोलन में असली स्टेकहोल्डर्स शामिल थे। यानी ऐसे छात्र शामिल हुए, जिनको अपना भविष्य बचाना है। वे पेशेवर नेता या प्रदर्शनकारी नहीं थे। छात्र और युवा अपने वास्तविक सरोकारों की वजह से जंतर मंतर पर पहुंचे थे। असल में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था की गड़बडि ़ीं के खिलाफ गुस्सा काफी समय से जमा हो रहा था। यह सिर्फ अखिल भारतीय परीक्षाओं जैसे नीट यूजी या जेईई या सीयूईटी आदि का मामला नहीं है। दाखिले और नौकरी के लिए होने वाली राज्यों की प्रतियोगिता परीक्षाओं में भी लगातार गड़बड़ी हो रही थी। छात्रों की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि परीक्षाओं का कैलेंडर नहीं बना है। नियमित परीक्षाएं नहीं होती हैं। कई साल की परीक्षाओं को मिला कर एक परीक्षा होती है और उसमें भी पेपर लीक हो जाता है या परीक्षा केंद्र मैनेज करके अलग तरह की धांधली होती है। अगर पेपर लीक या परीक्षा केंद्र मैनेज होने की घटना न हो तो प्रश्न पत्र में गड़बड़ी हो जाती है, उत्तर पुस्तिका जांचने में गड़बड़ी हो जाती है या नतीजे आने में बहुत समय लग जाता है। कई साल की परीक्षा एक साल कराने की वजह से बड़ी संख्या में छात्रों की उम्र सीमा पार हो जाती है। इन सबका संचित गुस्सा जंतर मंतर पर निकला है। शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था में गड़बडि ़ीं से परेशान एक पूरी पीढ़ी ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया है। यह इसकी सबसे खास बात है। जिस पीढ़ी को 'जेन जीड़ कहा जाता है और जिसमें 14 से लेकर 29 साल तक के युवा हैं, वह पीढ़ी इस आंदोलन में सड़कों पर उतरी। यह फीगर ऑफ स्पीच नहीं है कि ये आंदोलन 'जेन जीड़ का। सचमुच आठवीं, नौवीं क्लास की लड़कियां, जिनकी उम्र 14 या 15 साल की है वो प्रदर्शन करने पहुंचीं। अपने क्लास की किताब लेकर लड़कियां आईं, जिन्होंने पढ़ कर सुनाया कि लोकतंत्र का क्या मतलब होता है और आज वास्तव में क्या हो रहा है।

वयस्क होने से पहले की उम्र के सैकड़ों छात्र और युवा जंतर मंतर पर दिखाई दिए, जिनके चेहरे पर दृढ़ प्रतिबद्धता थी। वे किसी राजनीतिक विचार से प्रभावित नहीं थे। उनको अपने भविष्य की चिंता थी। उनको लग रहा था कि ऐसे ही चलता रहा तो उनकी पढ़ाई और उनका परिश्रम व्यर्थ जाएगा। किशोर उम्र के बच्चे और बच्चियां जिद करके अपने अभिभावकों को लेकर जंतर मंतर पहुंचीं। अन्ना हजारे के आंदोलन में लोग बच्चों को तमाशा दिखाने ले जाते थे इस बार बच्चे अपने माता पिता को लेकर पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे कई पुलिसकर्मियों ने कहा कि उनके बच्चे भी आंदोलन में शामिल हैं। अनेक बच्चों ने कहा कि उनके माता पिता भाजपा के समर्थक हैं और वे उनसे छिप कर जंतर मंतर पहुंचे हैं।

जमीनों के अनावश्यक विखंडन और भू-अर्जन के दौरान होने वाले फर्जीवाड़े पर लगाम कसने के लिए भी कड़े कदम उठाए गए हैं

राजस्व प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण एक ऐसी व्यवस्था है जिसके माध्यम से भूमि रिकॉर्ड, नामांतरण और रजिस्ट्री जैसे कार्य ऑनलाइन और पारदर्शी बनाए गए हैं। इसके मुख्य लाभों में ऑटो म्यूटेशन, मोबाइल ऐप से रिकॉर्ड डाउनलोड और डिजिटल भुगतान शामिल हैं।

आम जनता के लिए राजस्व विभाग से जुड़े काम हमेशा से पेचीदा और समय लेने वाले माने जाते रहे हैं। जमीन के नामांतरण से लेकर कोर्ट के चक्कर काटने और नामांतरण-सीमांकन में होने वाली देरी से आम नागरिक अक्सर परेशान रहता था। इसी प्रशासनिक जटिलता को समाप्त कर प्रक्रिया को पारदर्शी, सुलभ और जन-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 में कई युगांतरकारी और जनोन्मुख संशोधन किए हैं। यह सुधार न केवल आधुनिक दौर की डिजिटल जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि राज्य में सुशासन की नींव को और अधिक मजबूत करते हैं।

इन संशोधनों की सबसे बड़ी खासियत राजस्व प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण है। अब धारा 33 के तहत नोटिस और आधिकारिक सूचना प्रेषित करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को कानूनी मान्यता दे दी गई है। इसके साथ ही, धारा 30 में संशोधन करते हुए राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए अभिलेखों, प्रकरणों और फाइलों के डिजिटल प्रेषण को अनिवार्य किया गया है। इतना ही नहीं,

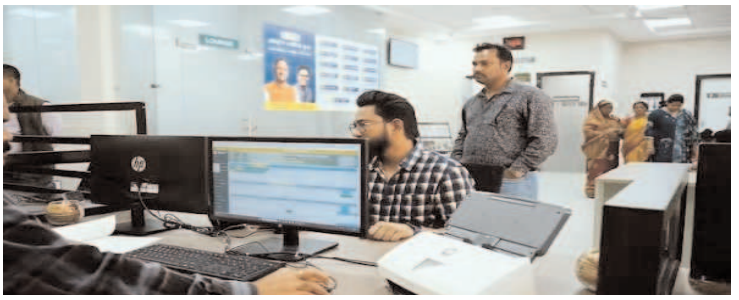

भूमि सीमांकन और नक्शों से जुड़ी विवादित स्थितियों से निपटने के लिए धारा 107 के तहत अधिसूचित जिओ-रेफ्रेंस्ड नक्शों को अधिमान्यता दी गई है, जिससे जमीन से जुड़े सटीक आंकड़े और सीमांकन पारदर्शी तरीके से उपलब्ध हो सकेंगे। जमीनों के अनावश्यक विखंडन और भू-अर्जन के दौरान होने वाले फर्जीवाड़े पर लगाम कसने के लिए भी कड़े कदम उठाए गए हैं। धारा 70 में किए गए संशोधन के अनुसार अब 05 डिसमिल से कम कृषि भूमि के बंटवारे पर रोक लगा दी गई है, ताकि कृषि जोत का आकार व्यावहारिक बना रहे। वहीं धारा 165, 172 और 178 में बदलाव कर यह सुनिश्चित किया गया है कि भू-अर्जन की प्रक्रिया के लिए अधिसूचना या आशय पत्र जारी होते ही संबंधित भूमि के अंतरण, व्यपवर्तन और खाता विभाजन पर तुरंत रोक लग जाए, जिससे किसी भी तरह के अवैध लाभ या धोखाधड़ी की गुंजाइश न रहे।

आम जनता को सबसे बड़ी राहत जमीन के नामांतरण और पारिवारिक उत्तराधिकार के नियमों में मिली है। धारा 110 में किए गए क्रांतिकारी संशोधनों के तहत अब स्वतः नामांतरण की व्यवस्था की गई है, जिसके अंतर्गत पंजीयन (रजिस्ट्री) विभाग को ही नामांतरण का वैधानिक अधिकार दे दिया गया है। यानी अब रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण की प्रक्रिया भी सुगम हो जाएगी। इसके अलावा, राजस्व अभिलेखों में सूचीबद्ध विधिक वारिसानों के पक्ष में स्वतः ई-नामांतरण का प्रावधान किया गया है। अब भूमि स्वामी को यह अधिकार भी मिल गया है कि वह अपने जीवनकाल में ही अपने कानूनी वारिसों के नाम राजस्व अभिलेखों में सूचीबद्ध करा सके, जिससे भावी पीढ़ी को पारिवारिक विवादों और कोर्ट-कचहरी के चक्करों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सकेगी। संक्षेप में कहें तो, छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 में किए गए ये संशोधन केवल नियमों का बदलाव भर नहीं हैं, बल्कि यह आम जनता के समय, धन और मानसिक तनाव को बचाते हुए एक पारदर्शी, तकनीक-संचालित और जन-हितैषी राजस्व व्यवस्था की स्थापना की दिशा में राज्य सरकार का एक मील का पत्थर है।

संक्षिप्त समाचार

अबूझमाड़ के 14 गांवों में आईटीबीपी ने लकड़ी के अस्थायी फुट ब्रिज बनाकर दी राहत

नारायणपुर। जिले के अबूझमाड़ के 14 दूरस्थ गांवों के लिए इस बार का मानसून एक नई उम्मीद लेकर आया है। उफनती नदियों और नालों के कारण बरसात में दुनिया से पूरी तरह कट जाने वाले इन गांवों को जोड़ने के लिए 44 वीं वाहिनी आईटीबीपी के जवानों ने लकड़ी के अस्थायी फुट ब्रिज (पैदल पुल) तैयार कर ग्रामीणों को बड़ी राहत दी है। वर्ष 1990 के दशक से अत्यधिक नक्सली प्रभाव के कारण इस अंदरूनी इलाके में सड़क और स्थायी पुल-पुलियों जैसी मूलभूत सुविधाओं का निर्माण एक बड़ी चुनौती बना रहा। हर साल बारिश के मौसम में नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से 14 गांवों का ओरछा मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट जाता था। इसके चलते ग्रामीणों के सामने स्वास्थ्य सेवाओं, राशन और दैनिक जरूरतों के लिए आवाजाही करना जान जोखिम में डालने जैसा था। क्षेत्र में 44वीं वाहिनी आईटीबीपी द्वारा सुरक्षा कैंप स्थापित किए जाने के बाद जवानों ने न केवल सुरक्षा का माहौल बनाया, बल्कि ग्रामीणों की इस पुरानी पीड़ा को समझा। जवानों ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर रणनीतिक स्थानों पर मजबूत लकड़ी के अस्थायी फुट ब्रिज बनाए हैं। अब इन पुलों के जरिए ग्रामीण बरसात में भी पैदल और दोपहिया वाहनों से सुरक्षित रूप से ओरछा आ-जा सकेंगे। सेनानी, 44वीं वाहिनी आईटीबीपी के सिद्धिक पी. पी.ने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल सुरक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि स्थानीय नागरिकों के जीवन को सुगम बनाना भी है। जब तक स्थायी सड़क और पुलों का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक ये अस्थायी लकड़ी के ब्रिज ग्रामीणों के लिए लाइफलाइन का काम करेंगे। दशकों बाद बारिश के दिनों में भी सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलने पर स्थानीय ग्रामीणों ने आईटीबीपी के इस मानवीय प्रयास की सराहना की है। ग्रामीणों का कहना है कि इन पुलों ने उनकी मुश्किलों को आसान कर दिया है और अब आपात स्थिति में अस्पताल पहुंचना या राशन लाना संभव हो सका है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव ने किया सखी वन स्टॉप सेंटर कोण्डागांव का निरीक्षण

कोंडागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी के मार्गदर्शन मे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिरण कोण्डागांव सुश्री गायत्री साय के द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर कोण्डागांव का किया निरीक्षण। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, केन्द्र की कार्यप्रणाली तथा सेवा की गुणवत्ता का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करना रहा। निरीक्षण के दौरान सचिव महोदय ने आवासित महिलाओ को दी जा रही सहायता के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केन्द्र में उपलब्ध कानूनी सहायता, चिकित्सा सेवा, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, आश्रय सुविधा तथा पुलिस सहायता जैसी व्यवस्थाओ का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रय हेतु आए हुये महिलाओ को शासन की ओर से प्राप्त समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पीड़ित महिलाओं के साथ संवेदनशीलता और समर्पण भाव से कार्य करने का निर्देश दिया गया। तथा ऐसे पीड़ित महिलाएं जिनको कानूनी मदद की आवश्यकता है उन महिलाओं का आवेदन तैयार कर निःशुल्क कानूनी सलाह सहायता दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव में प्रेषित करने हेतु सखी वन स्टॉप सेन्टर के कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। ताकि पीड़ित महिलाओं को उनका अधिकार दिलाया जा सके।
इस अवसर पर प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेंद्र भट्ट, अधिकार मित्र रंजन कुमार बैध एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भांसी में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 31 छात्रों का चयन

*नई दृष्टिबिंदु /*बचेली

एनएमडीसी डीएवी आईटीआई ,भांसी में शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज् लिमिटेड, भिलाई (छत्तीसगढ़) की ओर से एक वर्चुअल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव सफलतापूर्वक आयोजित की गई। संस्था के सभी अंतिम वर्ष के प्रशिक्षुओं के लिए ऑनलाइन टेस्ट आयोजित किया गया। ऑनलाइन टेस्ट पास करने वाले उम्मीदवारों का कंपनी के साथ वर्चुअल इंटरव्यू हुआ। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, 31 जुलाई,2026 को शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज् लिमिटेड, भिलाई के लिए कुल 31 प्रशिक्षुओं को चुना गया।

इस उपलब्धि पर चुने गए प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए, एनएमडीसी,बचेली के परियोजना प्रमुख श्री श्रीधर कोडाली ने कहा कि हस्ष्ठ का लगातार मिशन स्थानीय क्षेत्रों के युवाओं को विश्व-स्तरीय

तकनीकी कौशल देकर सशक्त बनाना और उन्हें देश के प्रमुख औद्योगिक संगठनों में प्रतिष्ठित रोज़गार के अवसरों से जोड़ना है। यह सफलता संस्था द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता और उद्योग द्वारा उस पर जताए गए भरोसे का प्रतीक है।

संस्थान के प्राचार्य कमलेश साहू ने चयनित प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि– हमारे संस्थान में उद्योगों की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक एवं प्रासंगिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हर प्रशिक्षु के लिए रोज़गार सुनिश्चित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना संस्था की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कंपनी के अधिकारियों के साथ-साथ संस्थान के प्लेसमेंट सेल और स्टाफ़ को भी धन्यवाद और बधाई दी।

दंतेवाड़ा जिले का बढ़ाया मान : राजकुमार टेंट हाउस कों मिला सर्वश्रेष्ठ टेंट हाउस का सम्मान

*नई दृष्टिबिंदु /*बचेली

बचेली। CG Tent & Decor E&po 2026 के भव्य आयोजन में जिले के राजकुमार टेंट हाउस को उत्कृष्ट कार्य, बेहतर सेवाओं और टेंट व्यवसाय में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय रहा। प्रदेशभर से आए टेंट एवं इवेंट उद्योग के प्रतिनिधियों के बीच राजकुमार टेंट हाउस की उपलब्धि ने दंतेवाड़ा जिले का मान बढ़ाया।

राजधानी रायपुर में आयोजित इस एक्सपो में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आधुनिक तकनीक, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और नई उद्योग नीति के माध्यम से छत्तीसगढ़ को निवेश और उद्योग का प्रमुख केंद्र बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि टेंट एवं इवेंट उद्योग हजारों लोगों को रोजगार देने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है और ऐसे आयोजनों से स्थानीय व्यवसायियों को नई तकनीक, आधुनिक डिज़ाइन और व्यापार विस्तार के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और टेंट एवं इवेंट उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों से संवाद भी किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, टेंट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपुल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह दुआ, श्रीमती रंजीत कौर दुआ सहित देशभर से आए उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राजकुमार टेंट हाउस को मिला सम्मान इस बात का प्रमाण है कि जिले के स्थानीय उद्यमी भी अपनी गुणवत्ता, सेवा और उत्कृष्ट कार्य के दम पर प्रदेश स्तर पर पहचान बना रहे हैं। यह सम्मान क्षेत्र के अन्य युवा उद्यमियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा। संस्थापक राजकुमार सोनी बताते है की सुदूर क्षेत्र से राजधानी रायपुर तक टेंट व्यवसाय में दंतेवाड़ा की जगह बनाना आसान नहीं है हमारे लिए बेहद गौरवशाली पल है की हमे स्थान मिला हम निश्चित तौर पर बेहतर से बेहतर सेवायें स्थानीय लोगो को देने में प्रतिबद्ध है।

बड़े बचेली में 'नमस्ते इंडिया' के तहत नगर के स्वच्छता हीरो का सम्मान

स्वच्छता दीदियों का सम्मान एवं किट वितरण

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की रीढ़ स्वच्छता दीदियों को दिया गया प्रोत्साहन

*नई दृष्टिबिंदु /*बचेली

नगर पालिका बड़े बचेली, जिला दंतेवाड़ा में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली स्वच्छता दीदियों के लिए 'नमस्ते इंडिया' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर में स्वच्छता व्यवस्था और कचरा प्रसंस्करण में निरंतर जुटी स्वच्छता दीदियों को विशेष सुरक्षा एवं कार्य प्रोत्साहन किट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

2017 से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का आधार बनीं स्वच्छता दीदी

शासन द्वारा वर्ष 2017 में लागू की गई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली के तहत नगर पालिका बड़े बचेली में वैज्ञानिक तरीके से कचरा संग्रहण और निपटान की शुरुआत की गई थी। उस समय से लेकर अब तक ये स्वच्छता दीदी= सतत डोर-टू-डोर कलेक्शन= नगर के प्रत्येक वार्ड से प्रतिदिन घर-घर जाकर अपशिष्ट एकत्र कर रही हैं। स्रोतों पर पृथक्कीकरण कचरे को गीला (जैविक), सूखा (पुनर्चक्रण योग्य) और हानिकारक श्रेणियों में अलग करने का कार्य सफलतापूर्वक कर रही हैं। अपशिष्ट प्रसंस्करण-गीले कचरे से जैविक खाद के निर्माण और सूखे कचरे को रिड्यूस, रियूज और रीसाइकिल सिद्धांत के तहत रीसाइक्लिंग के लिए भेजने में इनकी मुख्य भूमिका रही है, जिससे ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कचरे के ढेर में भारी कमी आई है।

जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति

कार्यक्रम में पी.आई.सी. के स्वच्छता मंत्री धर्सिंग नाग, पी.आई.सी. पेयजल मंत्री दीपक सरकार एवं स्थानीय पार्षद श्रीमती तांडी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि 2017 से अब तक बड़े बचेली को स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने में इन स्वच्छता दीदियों का योगदान ऐतिहासिक है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के वैज्ञानिक नियमों का जमीनी स्तर पर पालन कराकर इन्होंने नगर को बीमारियों से मुक्त रखने और पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय सेवा दी है।

सुरक्षा एवं प्रोत्साहन किट का वितरण

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा स्वच्छता दीदियों को उनके स्वास्थ्य और कार्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष नमस्ते इंडिया किट (जिसमें पीपीई, सुरक्षा उपकरण व दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं) सौंपी गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने दीदियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी नगर को जीरो वेस्ट टाउनशिप बनाने की दिशा में इसी निष्ठा से कार्य करने की अपील की।

सरस्वती साइकिल योजना के तहत 55 छात्राओं को मिली निःशुल्क साइकिल

*नई दृष्टिबिंदु /*कोंडागांव।

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामकोटपारा (कोंडागांव) में शनिवार को सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत 55 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक सुश्री लता उसेंडी थीं। विधायक सुश्री लता उसेंडी ने छात्राओं को साइकिल वितरित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह योजना बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से छात्राओं की विद्यालय तक पहुंच आसान होगी, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी तथा वे आत्मनिर्भर बनते हुए बिना किसी बाधा के अपनी शिक्षा जारी रख सकेंगी। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे %एक पेड़ मां के नाम% अभियान का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा वर्षा जल संरक्षण के प्रति भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों से विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, दीपाश अरोरा, संतोष सिंह, जीतू सुराना, संतोष पात्रे, श्रीमती रामेश्वरी पोयाम, ललित देवांगन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्वास्थ्य की मंगलकामना हेतु किया सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

*नई दृष्टिबिंदु /*जगदलपुर।

भारतीय जनता पार्टी जिला सहकारिता प्रकोष्ठ, बस्तर के तत्वावधान में आज रविवार को अनुपमा चौक स्थित हनुमान मंदिर में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण देव के उत्तम स्वास्थ्य, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं दीर्घायु की मंगलकामना को लेकर हनुमान की महाआरती एवं हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने हनुमानजी से किरण देव के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं दीर्घायु की प्रार्थना की। सभी ने कामना की कि वे शीघ्र स्वस्थ होकर पुनः उसी ऊर्जा, उत्साह एवं समर्पण के साथ जनता की सेवा, संगठन को सशक्त बनाने तथा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय रहें।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा नेता रामाश्रय सिंह, रजनीश पाणिग्राही, नरसिंह राव, रंजीत पाण्डेय, योगेन्द्र पाण्डेय, सुरेश गुप्ता , राजपाल कसेर, उदय दुबे, प्रेम यादव सविता दुबे, योगेश ठाकुर, पश्चिम मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा, योगेश शुक्ला, संजय चन्द्राकर, शशिनाथ पाठक, दिलीप झा, परमेश राजा, उमेश सिंह यादव, सतीश वाजपेयी, अविनाश किशन धुव्र, विकास पात्रो, सोमप्रकाश जोशी, चंद्रभान नागवंशी, अशोक सिंह, श्रीमती उमा मिश्रा, कमल झन्ज, रमाराव, कुसुम कौर, जयंती जी, शांति ठाकुर, रेखा दुबे, कमल ठाकुर, सावित्री नाग, सेवती नाग सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, इंदिरा वार्ड वासी, शुभचिंतक, भक्तगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक मनोहर दत्त तिवारी ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रार्थना और श्रद्धा से की गई आराधना अवश्य फलदायी होगी। उन्होंने हनुमानजी से किरण देव के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा के लिए मंगलकामना की।

गौ रक्षा दल की शिकायत पर गाय के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु /*जगदलपुर।

जगदलपुर। शहर के संतोषी वार्ड में गाय के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर गौ रक्षा दल के सदस्यों ने बोधघाट थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आज रविवार को आरोपी जय दास को गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार संतोषी वार्ड में गाय के साथ कथित रूप से दुष्कर्म किए जाने की घटना की जानकारी मिलने पर गौ रक्षा दल के सदस्य बोधघाट थाना पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी जय दास को गिरफ्तार कर लिया। बोधघाट पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 और 299 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच नाराजगी देखी जा रही है। गौ-रक्षा दल के सदस्यों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गौ-रक्षकों का कहना है, कि छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में भी पूर्व में इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। इसलिए ऐसे अपराधों की गंभीरता को देखते हुए सरकार से मांग है कि इनके लिए और अधिक कठोर कानूनी प्रावधान एवं सख्त धाराएं बनाई जाएं, जिससे ऐसे अपराध ना हो।

लीगल एड डिफेंस कौंसिलों का निगरानी व सलाह समिति का मासिक बैठक हुआ संपन्न

*नई दृष्टिबिंदु /*जगदलपुर।

कोंडागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी की अध्यक्षता में लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम के न्याय रक्षकों का निगरानी व सलाह समिति की समीक्षात्मक हुई संपन्न। उक्त बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री गायत्री साय एवं कार्यालय लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम के न्याय रक्षक बैठक में उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विधिक सहायता प्रणाली की प्रभावशीलता की समीक्षा करना, प्रचलित मामलों की निगरानी करना तथा जरूरतमदों तक निशुल्क एव गुणवत्तापूर्वक विधिक सहायता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव व निर्देश प्रदान करना था। बैठक के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने डिफेंस कौंसिल के न्याय रक्षकों को विधिक सहायता प्राप्त करने की पात्रता के शर्तों, लीगल एड डिफेंस कौंसिल कार्यालय की भूमिका व दायित्वों के बेहतर निर्वहन के संबंध में तथा अभिशाधीन बंदियों के प्रकरण में प्रथमिकता के साथ पैरवी करने व प्रतिमाह जेल निरीक्षण कर बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध करने के संबंध में चर्चा किया गया। साथ ही समयबद्ध एवं संवेदनशील रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि विधिक सहायता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही न्याय रक्षकों को निर्देश दिया की विधिक सहायता प्राप्तकर्ताओं के साथ सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करने और उन्हें शीघ्र न्याय प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध रहे।
अंत में सभी न्याय रक्षकों ने अपनी-अपनी सुझाव रखे तथा ऐसी समीक्षात्मक बैठक नियमित रूप से आयोजित करने हेतु प्रेरित किया।

अतिवृष्टि से प्रभावित सड़कों एवं पुल-पुलियों का कलेक्टर नम्रता जैन ने किया निरीक्षण

*नई दृष्टिबिंदु /*नारायणपुर।

जिले में एक ही दिन में 450 मिलीमीटर से अधिक वर्षा होने के कारण विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों, पुल-पुलियों एवं अप्रोच मार्गों के कुछ हिस्से प्रभावित हुए हैं। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन के विभागों द्वारा आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। कलेक्टर नम्रता जैन ने प्रभावित स्थलों का निरीक्षण कर वहां जारी सुधार एवं मरम्मत कार्यों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130डी के नारायणपुरङ्कुतुल मार्ग के किलोमीटर 49.560 पर स्थित वृहत पुल के डायवर्सन स्थल का निरीक्षण किया। अत्यधिक वर्षा एवं तेज जलप्रवाह के कारण प्रभावित हुए डायवर्सन स्थल पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा आवश्यक सुधार एवं पुनर्स्थापन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। कलेक्टर ने मौके पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा उपलब्ध मशीनरी एवं संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिले के अन्य स्थानों पर भी अतिवृष्टि के कारण

सड़कों, पुल-पुलियों एवं अप्रोच मार्गों के प्रभावित हिस्सों में संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य जारी हैं।

कलेक्टर नम्रता जैन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रभावित स्थलों पर सुधार एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, संवेदनशील स्थलों की निरंतर निगरानी रखने तथा वर्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिला प्रशासन द्वारा अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की सतत निगरानी की जा रही है। संबंधित विभागों द्वारा सभी प्रभावित स्थलों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई एवं मरम्मत कार्य तेजी से जारी हैं, ताकि परिस्थितियों को शीघ्र सामान्य किया जा सके और आवागमन व्यवस्था सुचारु बनी रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, तहसीलदार सौरभ चौरसिया सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बेहतर सेहत के लिए कहां रहें गांव या शहर ?

यह कोई अचानक को शुरू हुई चर्चा नहीं है बल्कि पिछले डेढ़ दो दशकों से शहरों में, खासकर महानगरों में खाते पीते लोगों के बीच यह चर्चा बहुत जोर शोर से चल रही है कि बेहतर सेहत के लिए आखिर कहां रहें? कुछ लोग इस चर्चा में शहरों में रहने के पक्षधर हैं, तो कुछ दूसरे लोग जिनकी तादाद थोड़ी ज्यादा है, वे गांवों की वकालत करते हैं। कहना नहीं होगा कि हाल के सालों में अच्छी खासी संख्या में शहरों में ठीकठाक अर्थव्यवस्था वाले लोग आमतौर पर रिटायर होने के बाद फिर से गांव में जाकर बसने का सिलसिला शुरू कर चुके हैं। लेकिन यह सिलसिला इसलिए नोटिस में कम आ रहा है, क्योंकि हाल के दशकों में गांवों से शहरों की ओर पलायन में बहुत ज्यादा तेजी आयी है।

बहरहाल जो लोग सेहत के लिए शहरों को सही नहीं मान रहे, लेकिन किसी गांव में जाकर रहने की उनके पास व्यवस्था नहीं है, ऐसे तमाम लोग भी हाल के सालों में बड़े शहरों की घनी आबादी वाले इलाकों को छोड़कर बड़े शहरों के इर्दगिर्द बसे उपनगरों में रहना शुरू किया है। कहने का मतलब यह कि यह धारणा काफी मजबूत हो चली है कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए खासकर खराब पर्यावरण से बचने के लिए बड़े शहरों की बजाय गांव में रहना ज्यादा फायदेमंद है। लेकिन क्या यह वास्तव में सही है? रिसर्च इस धारणा को वैज्ञानिक कसौटी में सही करार नहीं देते। लेकिन शायद यह आज की तारीख में भारत के महानगरों में बड़े पैमाने पर बसे लोगों की गांव की पृष्ठभूमि है, जो उन्हें शहरों के विपरीत गांवों के प्रति आकर्षित कर रही है। कहने का मतलब यह कि ज्यादातर लोग महज भावनाओं के आधार पर गांवों को सेहत के लिए शहरों से बेहतर मान रहे हैं।

अगर वैज्ञानिक कसौटियों पर शहरों और गांवों, दोनों की खूबियों और खामियों का ईमानदारी से विश्लेषण करें तो पता चलता है कि गांव हो या शहर सेहत की कसौटी पर स्पष्ट रूप से किसी एक के पक्ष में निर्णय देना कठिन है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि सेहत के लिहाज से गांव में रहना कुछ मामलों में फायदेमंद है। वहां की हवा में प्रदूषण कम है, शहरों के मुकाबले गांवों हरियाली ज्यादा है। लेकिन यह बात भी सही है कि गांवों में सेहत के लिए कई दूसरी तरह की समस्याएं हैं, जिन्हें न तो नजरअंदाज किया जा सकता है और न ही तुलना करने पर उनके कारण गांवों को हर लिहाज से हम शहरों से बेहतर पाते हैं।

इसकी कई वजहें हैं। अगर हमारी परवरिश गांव में नहीं हुई तो एक उम्र के बाद जाकर गांव में बस पाना संभव नहीं है। अगर हमारे शौक और जिंदगी के ज्यादातर समय किये गये काम ऐसे हैं, जो गांवों के वातावरण में फिट नहीं बैठते, तो भी आप एक उम्र के बाद गांव में नहीं रह सकते। न सिर्फ जीवनशैली के लिहाज से बल्कि सेहत के नजरिये से भी। अगर हम हरियाली के नजदीक रहते हैं तो दो बातें निश्चित होती हैं। हम प्रदूषण से बचे रहते हैं या कम प्रभावित होते हैं। इस कारण तनाव से भी किसी हद तक दूर रहते हैं और इससे सेहत में सकारात्मक असर होता है। लेकिन सिर्फ हरियाली क्या कर लेगी, अगर गांव में हमारे लिए पीने का साफ पानी नहीं है, आसानी से उपलब्ध होने वाली दवाएं नहीं हैं, चलने फिरने के लिए सही सड़कें नहीं हैं और दूसरी कई सुविधाएं नहीं हैं। हरियाली की नजदीकी हमारे शरीर में लिम्फोसाइट्स नाम की एक किलर सेल पैदा करती है, जो शरीर में किसी भी वजह से मौजूद मृत और बीमार कोशिकाओं को खत्म करके नई और स्वस्थ कोशिकाएं पैदा करती है। लेकिन सेहत के बड़े परिप्रेक्ष्य में देखने से यह कोई आमूलचूल फायदे वाला परिवर्तन नहीं है।

झीलों का नगर है भोपाल

भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल कई मायनों में सबसे अलग पहचान रखती है। ताल तलैयों और झीलों के इस खूबसूरत शहर को हरियाली मानों प्रकृति ने उपहार के रूप में प्रदान की हो।

कभी जर्दा, पर्दा और गर्दा के लिए मशहूर रहे भोपाल के ठाट अभी भी नवाबी ही हैं। शोले फिल्म में एक किरदार सूरमा भोपाली ने देश भर में भोपाली शब्द को लोगों की जुबान पर ला दिया था। आवागमन के साधन राजधानी होने की वजह से यहां सहज सुलभ हैं। ईदगाह हिल्स पर बना नानक टेकरी गुरुद्वारा इतिहास का मूक गवाह है। कहा जाता है कि कुष्ठ रोग से पीड़ित को गुरु नानक देव जी ने यहीं से मुक्ति प्रदान की थी। यहां एक शिला पर नानक जी के पद चिन्ह आज भी अंकित हैं। गुरुद्वारे में स्थित संग्रहालय में ऐतिहासिक महत्व की अनेक वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। लगभग एक घंटा यहां बिताकर हमने गुरु का प्रसाद ग्रहण किया और अपने अगले पड़ाव की ओर प्रस्थान किया।

भोपाल का मरीन ड्राइव कहे जाने वाले शान-ए-भोपाल में शाम से ही पर्यटकों का जमावड़ा शुरू हो जाता है। बड़ी और छोटी झील को अलग करते ओवर ब्रिज पर पैदल घूमने का अपना अलग आनंद है। झील में नौका विहार का मजा भी लिया जा सकता है। पर्यटन विकास निगम द्वारा इस जगह को काफी विकसित किया जा चुका है, जहां संगीत के आनंद के अलावा सभी तरह की नावें उपलब्ध हैं। यह स्थल भोपाल भ्रमण को यादगार बनाने के लिए काफी है। मछली के आकार का बना मछलीघर छोटी झील के पास स्थित है। इसमें प्रायः सभी प्रजातियों की रंगबिरंगी मछलियां हैं। यहां की बड़ी झील जहां समुद्र का नजारा देती है वहीं झील के पीछे स्थित 444 हेक्टेयर में फैले वनविहार में हर तरह के पशु पक्षी विचरते हैं। इस सफारी पार्क में पशुपक्षियों का स्वच्छंद विचरण देखते ही बनता है। एशिया की सबसे बड़ी ताज उल मस्जिद का निर्माण शाहजहां बेगम (1868-1901) ने आरंभ करवाया था। इस बेगम की मौत के बाद अधूरी बनी इस मस्जिद का निर्माण कार्य 1971 में फिर शुरू हुआ था। मस्जिद का मुख्य कक्ष तो भव्य है ही मगर मेहराबदार छत और चमचमाता संगमरमर का फर्श भी कम आकर्षक नहीं। हर साल यहां इज्तिमा का मेला लगता है जब दुनिया भर के मुस्लिम धर्मावलंबी नमाज पढ़ने आते हैं। भोपाल की मोती मस्जिद और जामा मस्जिद का शिल्प दिल्ली की जामा मस्जिद के नमूने पर आधारित है। इसे 1860 में बेगम सिकंदर जहां ने बनवाया था।

भोपाल से 28 किलोमीटर की दूरी पर बना भोजपुर का मंदिर पूरब का सोमनाथ कहा जाता है जिसे राजा भोज ने 10वीं सदी में बनवाया था। शानदार वास्तुकला के उदाहरण इस शिवमंदिर का चबूतरा प्रांगण 66 फुट तक फैला है। मूलतः वर्गाकार बना यह मंदिर नीचे से अष्टभुजाकार है। कारीगरी के उत्कृष्ट कार्य इस मंदिर में दिखते हैं। कहते हैं तराशा गया यह मंदिर ऐतिहासिक महत्व का है जो कभी पूरा नहीं बन पाया। प्रतिवर्ष शिवरात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है जिसमें भाग लेने दूर-दूर से लोग आते हैं। भोपाल से 40 किलोमीटर दूर स्थित भीमबेटका को अब विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया है। यहां के प्रदर्शित 700 शैलाश्रय नव पाषाण युग के हैं जो प्रतीक चित्रों के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को उकेरते नजर आते हैं। प्रागैतिहासिक गुफाओं के भित्तिचित्र मानव की सामान्य अभिव्यक्ति व जानकारियों की गवाही भी देते हैं। चित्रकर्म के लिए यहां सफेद व लाल रंग का प्रयोग ज्यादा किया गया है। इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए स्थान महत्वपूर्ण है।

रोग भगाए लौंग

लौंग का लैटिन नाम साईजीजियम ऐरोमेटिकम है। यह पाचक, नेत्रों के लिए हितकारी, क्षय रोग का नाश करने वाली है। यूं लौंग कई रोगों में फायदेमंद है, इसके विविध औषध गुण इस प्रकार हैं-

- दो लौंग तवे पर सेंक कर चूसें। इससे खांसी के साथ कफ आना ठीक हो जाता है तथा कफ की दुर्गन्ध भी दूर हो जाती है।
- लौंग और अनार के छिलके समान मात्रा में पीस कर चूर्णकर इस चूर्ण शहद से नित्य तीन बार चाटने से खांसी ठीक हो जाती है।
- लौंग को पीसकर लेप करने से सिर दर्द तुरन्त बंद हो जाता है।
- दांत में कीड़ा लगने पर लौंग को रखना या लौंग का तेल लगाना चाहिए।
- पान खाने से जीभ कट गई हो तो एक लौंग मुंह में रखने से जीभ ठीक हो जाती है।
- ज्वर से छुटकारा पाने के लिए एक लौंग पीसकर गर्म पानी से फंकी लें।
- प्यास की तीव्रता होने पर उबलते पानी में लौंग डालकर सेवन करें, इससे प्यास कम हो जाती है।
- लौंग को आग में भूनकर शहद में मिलाकर चाटने से कुकर खांसी ठीक हो जाती है।
- खाना खाने के बाद एक-एक लौंग सुबह-शाम खाने से या शर्बत में लेने से अम्ल पित्त से होने वाले सभी रोगों में लाभ होता है और अम्लपित्त ठीक हो जाता है।
- मुंह और सांस की दुर्गन्ध दूर करने के लिए लौंग चबाएं।
- कमरदर्द पर लौंग का तेल मलने से कमर दर्द दूर होता है।

सुंदरता की दुश्मन ना बन जाएं झुर्रियां

बढ़ती आयु के साथ-साथ त्वचा की तेल ग्रंथियां निष्क्रिय होने लगती हैं। इसी कारण त्वचा शुष्क हो जाती है और झुर्रियां दिखाई देने लगती हैं। कुदरत की देन को रोका तो नहीं जा सकता, लेकिन अगर आप चाहें, तो उन्हें कम किया जा सकता है।

- दिन में तीन-चार बार ठंडे पानी से चेहरा धोएं। ऐसा करने से मांसपेशियों का व्यायाम भी हो जाता है और त्वचा खिली रहती है।
- चेहरे पर साबुन का प्रयोग कम से कम करें, क्योंकि साबुन से प्राकृतिक तेल कम हो जाते हैं और त्वचा की चमक कम होती है।
- त्वचा पर गर्म पानी का उपयोग कम करें। इससे त्वचा रूखी हो जाती है और झुर्रियां जल्दी पड़ती हैं।
- संतुलित और पौष्टिक आहार नियमित लें, जिससे त्वचा को खुराक मिलती रहे और त्वचा में चमक बनी रह सके।
- भोजन में ताजा फल, सब्जियों और प्रोटीन की मात्रा नियमित लेनी चाहिए।
- सप्ताह में कम से कम झुर्रियों वाली त्वचा पर दही और बेसन का पैक लगाएं। फिर दस मिनट बाद त्वचा धो लें।
- रात को सोते समय चेहरे पर मलाई की मालिश कर लें, तो त्वचा पर धूप का प्रभाव कम पड़ेगा। चेहरे की त्वचा का रूखापन कम होगा तथा त्वचा मुलायम रहेगी।
- चेहरे, गर्दन और बाजुओं का मैल हटाने के लिए साबुन के स्थान पर अच्छी कंपनी का फेस वाश लगाएं या चंदन पाउडर और बेसन का पेस्ट लगाकर शीघ्र गीले हाथ से रगड़ कर मैल हटा लें। चेहरा चमकने लगेगा।
- झुर्रियों से बचने के लिए दही, बेसन और दूध से चेहरे और गर्दन को साफ करें।
- ग्लिसरीन में गुलाब की पत्तियों को पीसकर मिला लें। उसे लगाने से रंग साफ होता है और झुर्रियां भी शीघ्र त्वचा पर नहीं पड़तीं।
- दिन में पानी अधिक से अधिक पीएं, ताकि त्वचा में नमी बनी रहे।
- चेहरे, गर्दन और बाजुओं की मालिश किसी अच्छी क्रीम से करते रहें, ताकि ढीली त्वचा में कसाव बना रहे। नहाने से पूर्व शरीर पर तेल की मालिश करें।
- तेज धूप में निकलने से पूर्व चेहरे की त्वचा पर सनस्क्रीन लोशन लगाएं, धूप का चश्मा पहनें और छाता लेकर निकलें।

आधुनिक किचन बहुद्देशीय से बनी बहुविकल्पीय

आधुनिक रसोइयों में परंपरागत व समकालीन का मिश्रण दिखाई देगा। ऐसी लाइनें दिखाई देंगी, जो परंपरागत से अधिक साधारण होंगी, लेकिन समकालीन से अधिक मुखर व परिभाषित होंगी। इस डिजाइन को भविष्य में सबसे ज्यादा पसंद किया जाएगा व यही मांग में रहेगा।

आजकल लोग समकालीन रसोई कैबिनेटों को प्राथमिकता देते हैं, जिनमें फोल्डिंग डोर्स हों, ताकि जगह को बचाया जा सके। यह देखने में भी शानदार लगते हैं और फंक्शनल, यानी-उपयोगी होते हैं। इनमें सामान रखने की दराजों या किचन एप्लायंस को छुपाकर रखा जा सकता है। ज्यादातर साफ व स्टाइलिश डिजाइन को है, जिसमें बोल्ड रंग हों, स्टाइलिश व समकालीन फ्लेवर हो और आधुनिक इंटीरियर हो।

- अगर रसोई का स्थान बड़ा है, तो उसमें सिंक, रेफ्रिजरेटर की दराज, डिश वॉशर व अतिरिक्त कुकिंग एरिया को जोड़ा जा सकता है, जिससे आपकी रसोई अधिक फंक्शनल व उपयोगी हो जाती है। चूंकि, बड़ी रसोई में प्लम्बिंग व इलेक्ट्रिकल सेवाओं के लिए भी गुंजाइश होती है, इसलिए उनमें विकल्पों की अपार संभावनाएं होती हैं। अगर आप अपने स्टोव या ग्रिल पर हुड लगा देते हैं, तो आपकी रसोई न सिर्फ कुकिंग के लिए, बल्कि मनोरंजन के लिए भी एक अच्छा ग्रोप बन जाती है।
- आजकल एक समकालीन रसोई को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वह अधिक आरामदायक व आकर्षक हो। साथ ही, उसे इस प्रकार सजाया जाता है कि उसमें स्थान दिखाई दे। सुंदर फैब्रिक्स ग्लास की साथ एलईडी लाइटों के साथ, आकर्षक लाइटिंग सेट्स डिनर के लिए व कार्यक्षेत्र के लिए, मैमा व टेक्सचरल स्विच किचन कैबिनेट के लिए, सभी आधुनिक रसोइयों का हिस्सा बन गए हैं।
- एक नया ट्रेंड आधुनिक किचन डिजाइन में किचन हुड है, जो न केवल फंक्शनल व प्रभावी है, बल्कि बहुत अधिक सजावटी भी होता है। हुड बुनियादी तौर पर उस चिमनी को कहते हैं, जो स्टोव के ऊपर लगाई जाती है, ताकि तमाम धुआं व गैस बाहर निकल सके। इसके दो फायदे हैं, एक-किचन गंदा नहीं होता और दूसरा यह, कि- कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी गैसें रसोई से बाहर निकल जाती हैं।
- इस बात से स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि गृह स्वामी अपनी रसोई को डिजाइन व कस्टमाइज करने के लिए, अधिक सोच, पैसा व जगह लगाने के लिए तैयार हैं। इसमें वह टेक्नोलॉजी व विशिष्ट डिजाइन तत्वों का सहारा ले रहे हैं। साथ ही, ऐसी चीजों का चयन कर रहे हैं, जिनके साथ काम करना आसान हो व देखने में भी वह आकर्षक हों। अगर आप अपनी रसोई को पूर्णतः आधुनिक बनाए रखना चाहते हैं, तो उसमें भरपूर स्टेनलेस स्टील फिनिश, कांच की पट्टियों व चमकदार सफेद का प्रयोग करें, ताकि वह समकालीन शैली के अनुरूप हो जाए। नए युग के पदार्थों का चयन करें, कार्य की मुख्य जगह के लिए, ताकि रसोई में गहराई आ सके।
- आजकल का ट्रेंड ऐसे किचन कैबिनेट्स चुनने के संदर्भ में जो लकड़ी के बने हों व उन पर एल्युमीनियम का फ्रेम हो, साथ ही उनमें ग्लास पैनल्स व दरवाजे हों। कान्ट्रास्टिंग व रसोई के बीच के हिस्से के लिए भी लकड़ी की चीजें इस्तेमाल की जा रही हैं, जो कि लुक में समकालीन हों व साथ ही ग्लास से टेम्पर्ड हों। उनमें एलईडी लाइट्स, मार्बल व प्राकृतिक पत्थर भी लगाए जा रहे हैं।
- काफी समय से रसोइयों को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि उनमें भीड़-भाड़ कम व खुलापन अधिक हो और साथ ही, भोजन करने का स्थान भी उन्हीं में जोड़ दिया जाए। यह ट्रेंड भी जारी रहेगा, क्योंकि लोगों को सादगी व सुविधा पसंद आती है।
- आधुनिक ट्रेंड के तहत रसोइयों में कंट्रास्ट रंग प्रयोग किए जा रहे हैं। मसलन, लकड़ी के गहरे रंग किचन के सफेद डिजाइन से कंट्रास्ट करते हैं। आकर्षक ग्लास पैनल व खुली शैल्फ समकालीन किचन डिजाइन को अधिक दिलचस्प व अनौपचारिक बना देती हैं।

बाल कहानी

प्रकृति की संतान

कुछ दिनों के बाद फागुन जब सावन के घर गया तो देखा कि नदी-नाले सभी ओर भरे पड़े हैं। काले-काले बादल आकाश में छाए हुए हैं और बिजली रह-रहकर चमक रही है। सावन के घर का रास्ता कीचड़ से भरा पड़ा है। मेंढक टर्रा रहे हैं। मच्छर काटने को तैयार हैं।

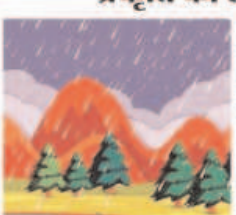

एक बार फागुन की मुलाकात सावन से हो गई तो वह बोला, भाई सावन, तुम किसी दिन मेरे घर आओ न। सावन ने कहा, अवसर मिलेगा तो अवश्य आऊंगा। यह कहकर सावन अपने घर चल पड़ा। फागुन ने भी अपनी राह पकड़ी।

काफी दिनों बाद सावन को जब याद आया तो वह फागुन से मिलने उसके घर की ओर चल पड़ा। वहां पहुंचा तो देखा कि फागुन का घर खूब साफ-सुथरा, लिपा-पुता है। अंदर नए-नए पकवान बन रहे हैं। आस-पड़ोस के लोग भी अच्छे-अच्छे कपड़े पहने हुए हैं। खेतों में गेहूं, जौ की बालियां लहलहा रही हैं। मटर पक चुके हैं। सरसों की डालियां झुक रही हैं। आमों में बौर आने लगे हैं। चारों ओर चिड़ियां चहक रही हैं। फागुन ने खुशी से झूम-झूमकर सावन को अपनी समृद्धि दिखाई। अंत में स्वादिष्ट भोजन कराकर उसे विदा किया।

चलते समय सावन ने कहा, भाई फागुन, किसी दिन मौका निकालकर हमारे यहां भी आओ।

फागुन ने कहा, जरूर।

कुछ दिनों के बाद फागुन जब सावन के घर गया तो देखा कि नदी-नाले सभी ओर भरे पड़े हैं। काले-काले बादल आकाश में छाए हुए हैं और बिजली रह-रहकर चमक रही है। सावन के घर का रास्ता कीचड़ से भरा पड़ा है। मेंढक टर्रा रहे हैं। मच्छर काटने को तैयार हैं। चारों ओर गंदगी का साम्राज्य है। किसी तरह वह सावन के घर पहुंचा।

फागुन को देखते ही सावन खुशी से झूम उठा और उसे गले से लगा लिया। फागुन के कपड़े गीले हो गए थे। सावन ने तुरंत अपने पास से उसे सूखे कपड़े दिए। फागुन काफी दूर से आ रहा था। काफी थक गया था। भूख भी उसे जोर की लगी थी, इसीलिए सावन ने तुरंत खाने के लिए उसे सब्जी और पूड़ी लाकर दी।

फागुन नाक-भौं सिकोड़ते हुए खाने लगा। खाने के बाद फागुन अकड़कर बोला, भाई सावन, तुम्हारे घर के चारों ओर तो बहुत पानी, कीचड़ और गंदगी है। तुम इस जगह कैसे रहते हो?

सावन हंसकर बोला, भाई फागुन, अगर यह कीचड़ और पानी न फैलाएं और नदी-नाले न भरें तो तुम ये अच्छे-अच्छे कपड़े और अच्छे-अच्छे पकवान कहां से पाओगे? फिर तो तुम्हारे बागों में बसंत ही न दिखाई पड़ेगा। अगर नाराज न हो तो कहूं, तुम्हारा यह ठाट-बाट कीचड़ और पानी की देन है। इसलिए इससे घृणा नहीं करनी चाहिए।

सावन की बातों को सुनकर फागुन मन ही मन बहुत लज्जित हुआ और बोला, भाई सावन, मुझसे भूल हो गई। हम तुम एक ही प्रकृति की संतान हैं। इसलिए न कोई बड़ा है और न कोई छोटा, न कोई ऊंचा और न कोई नीचा।

यह है आत्मविश्वास बढ़ाने की कुंजी

हर इंसान अपने लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयासरत रहता है। उसके लिए जरूरी होता है 'आत्मविश्वास'। 'आत्मविश्वास' यानी अपनी आत्मा पर विश्वास या अपने आप पर विश्वास।

जीवन में हर काम अपने आत्मविश्वास के बलबूते पर ही होते हैं। आत्मविश्वास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। बिना आत्मविश्वास के कोई भी काम सफल नहीं हो सकता है।

अगर होता भी है तो निम्नस्तर का या आधा-अधूरा व खराब। आइए, हम जानते हैं आत्मविश्वास के बारे में-

क्या है आत्मविश्वास?

आत्मविश्वास वस्तुतः एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। इससे महान कार्यों के संपादन में सहजता और सफलता हमें प्राप्त होती है। बगैर आत्मविश्वास के इन कार्यों की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

एकाग्रचित बनें

जिस भी व्यक्ति का मन शंका, चिंता और भय से भरा हो वह बड़े कार्य तो क्या, साधारण से साधारण कार्य भी नहीं कर सकता है। चिंता व शंका आपके मन को कभी भी एकाग्र न होने देंगे अतः आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु अपने मन से सभी प्रकार के संदेह निकालें तथा एकाग्रता को बढ़ाएं।

आत्मविश्वास अद्भुत शक्ति

आत्मविश्वास एक अद्भुत शक्ति होती है। इसके बल से व्यक्ति तमाम विपत्तियों तथा शत्रुओं का सामना कर लेता है। संसार के अभी तक के बड़े से बड़े कार्य आत्मविश्वास के बलबूते ही हुए हैं और हो रहे हैं तथा होते रहेंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास भरें

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास भरें। उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं करना चाहिए। उन्हें कभी भी इस प्रकार के नकारात्मक शब्द कि 'तुम कुछ नहीं जानते' या 'तुम में इस बात की कमी है' कभी नहीं कहने चाहिए।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है तथा इससे उनमें हीनभावना जागृत होती है तथा वे कुंठित हो जाते हैं। आज जग में जो निराशा की भावना तथा गरीबी दिखाई दे रही है उसके पीछे प्रमुख कारण यही हीनभावना है।

ऐसे बढ़ाएं आत्मविश्वास -

सकारात्मक चिंतन हो - सबसे पहले व्यक्ति को चाहिए कि वह हमेशा सकारात्मक चिंतन करे। सकारात्मक विचारधारा के लोगों के साथ ही रहें। कहा भी जाता है कि 'जैसी संगति, वैसी उन्नति'। जैसी आपकी विचारधारा होगी, दिमाग भी वही सोचने लगता है अतः सकारात्मक ही सोचें तथा साथ ही अपनी खामियों को भी स्वीकार करें।

आत्मविश्वास से भरपूर होने का अभ्यास करें -

आप अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह प्रयास करें कि मैं सक्षम हूं। मैं यह कार्य कर सकता हूं। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।

महानायक अमिताभ बच्चन को भी पहली बार अभिनय करते वक्त काफी डर लगता था। जब अधिक डर लगता था तो वे स्वयं से कहते थे कि 'मैं जिसका रोल कर रहा हूं वह व्यक्ति मैं ही हूं'। ऐसा सोचते व करते उनका आत्मविश्वास बढ़ गया व आज वे 'बिग बी' कहलाते हैं।

बीती ताहि बिसारि दे : अपने द्वारा भूतकाल में की गई गलतियां, असफलताओं को आप भुलाकर नई शुरुआत करें। भविष्य की योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाएं।

उपलब्धियां याद रखें : आत्मविश्वास की कुंजी है असफलता को स्वीकारना। श्रेष्ठ काम के लिए स्वयं को सराहें। आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया काम आप फिर दोहरा सकते हैं इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नया सीखते रहें : यदि आपको वर्तमान परिस्थिति जटिल लगे तो उसे नए तरीके से सीखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ नया सीखने से आपका आत्मविश्वास तथा उत्साह बढ़ेगा तथा आपको इस बात का एहसास होता रहेगा कि 'मैं कुछ अलग व नया जानता हूं।' इससे आपका काम कम समय में बेहतर तरीके से होगा।

व्यक्तित्व को निखारिए : अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते रहें तथा हमेशा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाए रखिए। बॉडी लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल को सुधारें। संकीर्ण मनोवृत्ति का न बनें। स्वयं को नई सूचनाओं से अपडेट रखें तथा आसपास के परिवेश से भी तालमेल बैठाए रखें।

इस प्रकार की चंद बातों को आजमाकर आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं तथा जीवन में नित नई उन्नति कर सकते हैं। तो आप भी आज से जुट जाइए अपना आत्मविश्वास बढ़ाने व तरक्की करने में।

टॉपर्स बनने के टिप्स

सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है। हम किसी कक्षा की एग्जाम या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, इसके लिए सिर्फ एक ही लक्ष्य रखना पड़ता है वह है पढ़ाई।

किसी परीक्षा में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर मन में यही विचार आता है कि टॉपर्स किस तरह से परीक्षा की तैयारी करते हैं।

कुछ टिप्स जो टॉपर्स अपनाते है-

- शुरुआत में ही यह सोच लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है, उस क्षेत्र में सफलता के लिए जुट जाएं।
- पूर्ण समर्पण के साथ पढ़ाई करें। अगर कोचिंग के अलावा घर पर भी पढ़ाई करें।
- स्वयं का आत्मविश्वास बनाए रखें। स्वयं पर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- अपनी कमजोरियों को खोजें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें।
- टॉपिक्स को रटने की बजाय समझकर पढ़ने की कोशिश करें।
- पढ़ाई में निरंतरता रखें। रेग्युलर पढ़ाई करने से वह बोझ महसूस नहीं होगी।
- किसी प्रतियोगी एग्जाम की तैयारी प्लानिंग से करें ताकि रिविजन में परेशानी न आए।
- अपने ऊपर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उसका टीचर्स से या दोस्तों के साथ मिलकर हल निकालने का प्रयास करें।
- जिस क्षेत्र में आप तैयारी कर रहे हैं, उस क्षेत्र के एक्सपर्ट्?स का मार्गदर्शन समय-समय पर लेते रहें।

ऐसे करें टाइम मैनेजमेंट

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। किसी के लिए रुकता नहीं है। जिस तरह मुट्ठी में बंधी हुई रेत को फिसलने से हाथ में ?नहीं रोका जा सकता है, उसी तरह समय के ?पहिए को भी नहीं रोका जा सकता है।

कॉम्पिटिशन के इस दौर में समय के साथ चलना जरूरी है। अक्सर लोग समय का रोना रोते रहते हैं। खासकर युवा व्यर्थ कामों में अपना समय लगाकर अपने महत्वपूर्ण काम की अनदेखी करते हैं। फिर उनकी शिकायत रहती है हमें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यकता होती है टाइम मैनेजमेंट की। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना बेहतर और जल्दी होगा।

जानिए टाइम मैनेजमेंट के कुछ टिप्स-

- सबसे पहले यह देखें कि आप कहां टाइम वेस्ट कर रहे हैं। जैसे चेटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी वगैरह। इन कामों का समय निर्धारित कर आप काफी टाइम बचा सकते हैं।
- प्राथमिकताएं तय कीजिए। जो काम जरूरी है उसे अभी ?कीजिए और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय कीजिए। गैर जरूरी काम छोड़कर भी आप वर्कलोड कम कर सकते हैं।
- टाइम मैनेजमेंट टूल्स का उपयोग कीजिए। मोबाइल, कैलेंडर या चार्ट वगैरह की मदद से काम समय पर निपटाए जा सकते हैं। बस रिमाइंडर को अवॉइड करने की आदत छोड़नी होगी।
- काम आउटसोर्स कीजिए। आप चाहे स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल हों या गृहिणी, ऐसे कई काम हैं जो दूसरों से करवाए जा सकते हैं। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आप बेहतर काम कर पाएंगे।
- इंतजार में वक्त बर्बाद न करें। कई मौकों पर हमें इंतजार करते हुए लंबा समय गुजारना पड़ता है। कुछ छोटे-मोटे काम इस समय निपटाए जा सकते हैं। जैसे मेल्स चेक करना, नोट्?स बनाना या जरूरी फोन लगाना।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप समय के सदुपयोग के साथ उसके साथ आगे बढ़ सकेंगे।

संकल्पों के साथ कैरियर की शुरुआत

जो संकल्प लिया गया हो, उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

कई लोगों को लगता है कि जिंदगी बहुत छोटी है, इसमें कई बड़े काम करने हैं। यह सही है कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन यह सोच कतई उचित नहीं है कि आप एकसाथ कई संकल्प कर लें या कामों की लाइन लगा दें। मतलब यही कि आप कई संकल्प एकसाथ न लें। ऐसा करना अपनी क्षमताओं को बहुत ज्यादा आंकने से भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि ठोक-बजाकर वही संकल्प लें, जिसे पूरा करना संभव हो।

अक्सर देखा जाता है कि देखा-देखी या किसी के कहने में आकर भी संकल्प ले लिए जाते हैं। ऐसे संकल्पों की कोई ठोस जमीन नहीं होती। नतीजतन संकल्प का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे बेहतर है कि अपनी रुचि, इच्छा तथा तैयारी हो तभी संकल्प लें। हरेक व्यक्ति की क्षमता, सोच, उत्साह, जोश, प्रवृत्ति, प्रकृति आदि अलग-अलग होते हैं। इसलिए, अपने व्यक्तित्व को जांचकर संकल्प लें।

जो संकल्प लिया गया हो उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

बड़े काम तभी संभव हो पाते हैं, जब उन्हें पूरा करने में हम पूरी दृढ़ता के साथ पूरी शक्ति, उमंग, जोश तथा ऊर्जा के साथ लग जाते हैं। यदि हमारी मनःस्थिति ढुलमुल रही या हम 'हां-ना' के जाल में फंसे रहे तो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। काम छोटा हो या बड़ा, उसे पूरा करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन को अर्थवान बनाने के लिए कई लोग तरह-तरह के संकल्प लेते हैं। इससे उनके जीवन का लक्ष्य तय होता है। प्रसिद्ध विचारक स्वेट मॉर्डन ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'ऐसा व्यक्ति कठिनाई से मिलता है, जो विश्वासपूर्वक यह कह सके कि मैं करूंगा। जो कार्य मुझे करना चाहिए मैं उसे करता हूं, जो कार्य मैं कर सकता हूं वह मुझे करना चाहिए। भगवान की कृपा से मैं ऐसे कार्य अवश्य पूरे करूंगा। मैंने परम पिता परमेश्वर के सम्मुख प्रण लिया है कि मैं इसे अवश्य पूर्ण करूंगा।' व्यक्ति इस आधार पर अपना संकल्प तय कर ले तो उसमें जो आत्मविश्वास एवं दृढ़ता आएगी, उससे उसके संकल्प के पूरा होने में कोई संदेह नहीं रहेगा।

किसी भी संकल्प को लेने से पहले सबसे ज्यादा जरूरी है कि बिलकुल शांत तथा एकाग्र हो जाएं। फिर अपनी तमाम शक्तियों या क्षमताओं तथा कमजोरियों का पूरा आकलन करें। इसमें अपनी रुचि को सर्वोच्च स्थान दें।

ऐसा करने से आपको अपनी सीमाओं का पता चल जाएगा और आप अपनी हद में रहकर संकल्प ले सकेंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संकल्प अति उत्साह या आवेग में लिया हुआ होगा, जिसका ज्वार बहुत जल्दी उतर जाता है। ऐसे में व्यक्ति का संकल्प भी धरा-का-धरा रह जाता है। इसका असर इतना विपरीत होता है कि व्यक्ति निराश एवं हताश हो जाता है, जिससे उसके दूसरे कार्य भी बिगड़ जाते हैं। उसका संपूर्ण व्यक्तित्व नकारात्मक दिशा में जा सकता है।

नहीं मिल रही है नौकरी, तो करें...

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर प्रयत्न करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप इंटरव्यू में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा।

इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें जॉब्स ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

कम्युनिकेशन बढ़ाएं- सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्?स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगों पर अच्छा पड़ेगा।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्क कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरत क्या है। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए, ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

आकर्षक हो रिज्यूमे- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होना चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास तरीके से प्रस्तुति दें।

इंटरव्यू के लिए खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इम्प्रेशन इज लास्ट इम्प्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं।

समय से पहले न पहुंचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्?स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूअर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर-उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है।

सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटिट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें।

अपने इम्प्लॉयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इम्प्लॉयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

'दिल तो बच्चा है जी' थीम पर सियान महोत्सव का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय ने किया पोस्टर विमोचन

वरिष्ठ नागरिकों के लिए खास 'सियान महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव की थीम 'दिल तो बच्चा है जी' रखी गई है। आज कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय द्वारा किया गया। आयु वर्गों में होगी प्रतियोगिता, प्रवेश निशुल्कआयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता में 50 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक भाग ले सकेंगे।

3 वर्ग बनाए गए है

1. जूनियर सियान – 50 से 60 वर्ष तक
2. सीनियर सियान– 61 से 70 वर्ष तक
3. सुपर सीनियर सियान – 71 वर्ष से अधिक

प्रतियोगिता में प्रवेश बिल्कुल निशुल्क है। सभी वर्गों के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

15 से 22 अगस्त तक विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक आयोजन

महोत्सव का शुभारंभ 15 अगस्त सुबह 10 बजे बैडमिंटन प्रतियोगिता से होगा। स्थानः जूही बैडमिंटन अकादमी, अरोड़ा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, वैशाली नगर।

उसी दिन 15 अगस्त शाम 4 बजे श्याम सदन, शांति नगर में सिंग, वादन एवं नृत्य का ऑडिशन रखा गया है। 16 अगस्त सुबह 10 बजे सियान सदन, राधिका नगर में कैरम एवं लूडो प्रतियोगिता का आयोजन होगा। 22 अगस्त शाम 4 बजे स्वामी विवेकानंद भवन, स्मृति नगर में पेंटिंग, रंगोली, म्यूजिकल चेयर, मेगा हाउजी एवं रस्सा खींच प्रतियोगिता होंगी।

महोत्सव का ग्रांड फिनाले एवं पुरस्कार वितरण समारोह 22 अगस्त शाम 6 बजे विवेकानंद भवन, स्मृति नगर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक राजीव चौबे, अध्यक्ष स्मृति नगर गृह निर्माण समिति, लित मोहन पूर्व पार्षद एवं रोहन सिंह भारतीय जनता युवा मोर्चा हैं। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में मुख्य रूप से ललित मोहन, संदीप चौधरी, नम्रता सेन, जिया फरिश्ता, पिया भौमिक, कैलाश ठाकुर, हेमंत तपरे, रोहित डावल सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक एवं गणमान्यजन उपस्थित थे। यह जानकारी आयोजन समिति के रोहन सिंह ने दी।

राजनांदगांव ग्रामीण में भाजपा युवा मोर्चा की नई कार्यकारिणी घोषित

वेदांत सोनी बने युवा मोर्चा पश्चिम मंडल के कोषाध्यक्ष

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा, राजनांदगांव ग्रामीण मंडल (पश्चिम) की नई कायकारिणी की घोषणा कर दी गई है। प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन और जिला नेतृत्व की अनुशंसा पर गठित इस नई टीम में युवा कार्यकर्ताओं को बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

संगठन द्वारा जारी सूची के अनुसार युवा भाजपा कार्यकर्ता वेदांत सोनी को भाजपा युवा मोर्चा राजनांदगांव ग्रामीण मंडल (पश्चिम) का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिया, जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत तथा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सिद्ध सोनकर की सहमति एवं अनुशंसा पर की गई है।

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य

नई कायकारिणी के गठन का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और युवाओं की भागीदारी बढ़ाना बताया गया है। पार्टी ने नई टीम में सक्रिय और जमीनी कार्यकर्ताओं को मौका दिया है।

वेदांत सोनी ने जताया आभार

कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद वेदांत सोनी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और संगठन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "संगठन ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उस पर मैं पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरूंगा। पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने, संगठन को मजबूत बनाने और युवाओं को भाजपा से जोड़ने के लिए पूरी सक्रियता से काम करूंगा।

कार्यकर्ताओं में उत्साह

वेदांत सोनी की नियुक्ति पर युवा मोर्चा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है। सोशल मीडिया पर भी लगातार शुभकामना संदेश मिल रहे हैं। भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि नई कायकारिणी संगठन की मजबूती, युवाओं के सशक्तिकरण और पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने का काम करेगी। उनसे संगठन को नई दिशा और नई गति मिलने की उम्मीद जताई गई है।

उतई पुलिस ने 2 साल से फरार हत्या के आरोपी को नागपुर से दबोचा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

थाना उतई पुलिस ने हत्या के एक गंभीर प्रकरण में लगभग 2 वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को नागपुर, महाराष्ट्र से घेराबंदी कर पकड़ा गया। थाना उतई में दर्ज अपराध क्रमांक 240/2024 धारा 103(1), 332(), 309(6), 61(2), 3(5), 317(2), 238 बीएनएस के तहत हत्या का प्रकरण दर्ज है। इस मामले में पूर्व में आरोपिया दीपजोत कौर संधु उर्फ निक्की और एक अपचारी बालिका को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका था। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों और मेमोरेण्डम कथन के आधार पर तीसरे आरोपी सुमित हीरानंद लालवानी की तलाश की जा रही थी। घटना के बाद आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर सूचना और सतत प्रयासों के आधार पर आरोपी की लोकेशन नागपुर में ट्रेस की। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने प्रकरण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में थाना उतई के निरीक्षक मोहन भारद्वाज, उप निरीक्षक श्रीराम पेन्द्रो, सहायक उप निरीक्षक सुरेश पाण्डेय, आरक्षक ध्रुवनारायण चन्द्राकर* सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
Order Now:
@baked.by.suhani
M0.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027
Deepak Advertisers

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100